अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMAN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 112, अंकः 09, सितम्बर-2019 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2019-20 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

बधाई के पात्र हैं प्रमुख समाज सेवी एवं अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के प्रमुख स्तंभ व जांगिड़ ब्राह्मण शिरोमणि सभा के चेयरमैन श्री लीलू राम शर्मा जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा शर्मा जिनकी ओर से दिल्ली में बनने वाले महासभा भवन के लिये 11 लाख रूपये के महत्वपूर्ण योगदान देने की घोषणा की गई है. महासभा उनके सुखमय जीवन, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना करती है.

प्रधान महासभा

कुल पृष्ठ-68

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं. पालाराम जी शर्मा रायपुरवल-पंजाब

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

गुरूदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामपाल शर्मा जी, (बैंगलोर) -11 लाख + 1.25 करोड एक मंजिल निर्माण में सहयोग

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी, (इन्दौर) चेयरमैन प्रस्तावित महासभा भवन -86,00,000/-

श्री मीता राम जांगिड जी, मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई) -21,00,000/-

श्री एकलिंग जांगिड जी, सूरत महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री रविशंकर शर्मा जी, (जयपुर), महासभा प्रधान -11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड (सीकर, राजस्थान), -11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जी जांगिड (मुम्बई) -11,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (बेंगलुरू) -501,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

प्रदेशसभा
राजस्थान
-5,00,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी
(मै.राज.कोच बिल्डर्स, धार)
-5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड जी,
(जोधपुर)
-5,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी,
(बैंगलोर)
-5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी
श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
-5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा)
एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
-5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड जी
(टाईगर) (दिल्ली)
-5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा
(वाराणसी)
-5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा जी,
(चित्तौडगढ)
-5,00,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी,
(धारूहेड़ा)
-2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड जी,
(जयपुर)
-2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा जी
(सीकर)
-2,51,000/-

श्री सुभाष जी (बोरवेल वाले)
(जयपुर)
-2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा जी,
(मुम्बई),
-2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड जी
(मुम्बई),
-2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा जी
(नदबई),
-2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली
(प्रधान शिरोमणी सभा)
-2,51,000/-

सुप्रसिद्ध समाजसेवी
श्री प्रकाश शर्मा,
दिल्ली -2,51,000/-

श्री प्रहलाद राय जांगिड जी
(नांदेड)
-2,50,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा जी देवास,
(मध्य प्रदेश)
-2,50,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी,
(अहमदाबाद)
-2,50,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा 'संरपंच' जी
(पूर्व कार्यकारी प्रधान एवं पूर्व प्रधान
शिरोमणी सभा) -2,50,000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जी, दिल्ली
(वायस चेयरमेन शिरोमणी सभा)
-2,50,000/-

श्री संजय शर्मा जी,
(जयपुर)
-2,00,000/-

श्री योगिन्द्र शर्मा जी
आई पी एक्सटेंशन-अध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा -1,53,000/-

श्री देवी सिंह जी ठेकेदार
-करावल नगर-उपाध्यक्ष
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा-1,51,111/-

श्री जवाहर लाल जांगिड जी,
उज्जैन (मध्य प्रदेश)
-1,51,000/-

श्री राम पाल शर्मा जी
यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा-1,51,000/-

श्री जीवनराम जांगिड जी
(नागपुर)
-1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड जी
थाने, मुम्बई
-1,51,000/-

श्री लक्ष्मी नारायण जी,
(गुड़गांव)
-1,11,111/-

डॉ. शेरसिंह जी जांगडा
गुड़गांव,(प्र.अ.हरि.)
-1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रमेश कुमार जी,
(सोनीपत, हरि.)
-1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य जी,
(रोहतक)
-1,11,111/-

श्री संजीव कुमार जी,
(रोहतक)
-1,11,111/-

श्री फूल कुमार जी जांगडा,
(सोनीपत)
-1,11,111/-

श्री श्रीचन्द शर्मा जी,
मुल्तान नगर (दिल्ली)
-1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड जी एवं
श्री हरीशंकर जांगिड जी,(जयपुर)
-1,11,000/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य जी
शामली, (उत्तर प्रदेश)
-1,11,000/-

श्री ईश्वर दत्त जांगिड जी
(रोहतक)
-1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी,
समालखा(पानीपत)
-1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड जी
(नागपुर)
-1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी
(नागपुर)
-1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड जी
(खोडा कालोनी-सुप्रसिद्ध समाजसेवी)
-1,01,101/-

श्री हरिपाल शर्मा जी
फालना
-1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा जी,
(मै.कमल प्रिंटर्स)
दिल्ली-1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी
ज्योति कॉलोनी-महामंत्री
अ.भा.जां.ब्रा.महासभा-1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड जी
श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा
दिल्ली-1,01,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

सीए अनिल कुमार शर्मा जी
आई.पी.एक्सटेंशन-सह कोषाध्यक्ष
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा-1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा जी
ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी
दिल्ली जिलासभा-1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह जी आर्य
कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली
जिलासभा-1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड जी
सोनीपत
-1,01,000/-

श्रीमती सुमित्रा देवी जी
ओमप्रकाश शर्मा जी(पूर्व उपप्रधान)
महासभा -1,00,111/-

श्री टेकचन्द जांगिड जी
फरीदाबाद,
-1,00,000/-

श्री ललित जड़वाल जी
(अजमेर)
-1,00,000/-

श्री विजय शर्मा जी
(ताबडू)
-1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी
(दिल्ली)
-1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा जी,
(छतीसगढ़)
-1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड जी,
(गुड़गांव)
-1,00,000/-

श्री सत्यपाल वत्स जी,
(बहादुरगढ़)
-1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(अहमदाबाद)
-1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड जी
(गुड़गांव)
-1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
-1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड जी
(सिकन्दराबाद)
-1,00,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(हिसार)
-1,00,000/-

श्री मंगलसैन जी शर्मा
(बड़ौत, उत्तर प्रदेश)
-1,00,000/-

श्री शिवचन्दर जांगिड जी
अटेली मंडी,(नारनौल)
-55,555/-

श्री मोहिन्द्र कुमार जी आर्य,
(महेन्द्रगढ़)
-51,151/-

श्री हंसराज जांगिड जी
(दिल्ली)
-51,000/-

श्री सूरजमल बरनेला जी
(छत्तीसगढ़)
-51,000/-

जिलासभा बाड़मेर
(राजस्थान)
-2,00,000/-

जिलासभा पुणे
महाराष्ट्र
-1,50,000/-

श्री जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा
समिति(नासिक,महाराष्ट्र)
-51,000/-

प्रदेशसभा
उत्तराखण्ड
-51,000/-

श्री मालीराम जांगिड जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री इन्द्रचन्द शर्मा जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री गोपाल शर्मा जी
(नागपुर)
-51,000/-

श्री ब्रह्मदत्त शर्मा जी
(गाजियाबाद)
-51,000/-

श्री मुकेश शर्मा जी
(मोदीनगर)
-51,000/-

श्री नारायण दत्त जी (साड़ीवाले)
(लक्ष्मी नगर, दिल्ली)
-51,000/-

श्री संजय शर्मा जी
(रोहिणी, दिल्ली)
-51,000/-

श्री महावीर प्रसाद जांगिड जी
अहमदाबाद
-51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रमेश ग्रामीण जी
(मुम्बई)
-51,000/-

श्री दयानन्द रामकुमार जांगिड जी
(अन्धेरी ई. मुम्बई)
-51,000/-

श्री प्रहलाद कुमार जांगिड जी
(भायंदर, मुम्बई)
-51,000/-

श्री बाबू के. जांगिड जी
(मुम्बई)
-51,000/-

श्री विनोद कुमार जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

श्री सावरमल रामगोपाल जांगिड जी
(कांदीवली ईस्ट मुम्बई)
-51,000/-

श्री प्रमोद जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

शुभ विवाहः-चि. संजय (बैंक पी.ओ.एसबीआई) सुपुत्र श्रीमती भगवानी देवी एवं श्री हरदयाल जी जांगिड़ निवासी लक्ष्मणगढ (सीकर) संग सौ. निधि सुपुत्री श्रीमती शशिकलां एवं बजरंग लाल जांगिड़ (व.स. शिक्षा विभाग,सीकर) निवासी कोर्ट के पीछे, सीकर (राजस्थान) का शुभ विवाह दिनांक 10 फरवरी 2019 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों, सगे-संबंधियों सहित परिवार जनो ने उपस्थित होकर वर वधू को शुभाशिर्वाद दिया। महासभा नव दम्पति के उज्जवल भविष्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है।

बजरंग लाल जांगिड
लक्ष्मणगढ़ जिला सीकर, राज.-332001

ISHAKA

Unit of K. C. Furnishers

Ishaka Decor Pvt. Ltd.

Spl. In:

All Type of Wood Works & Interiors

Sh. Anil Jangid
Managing Director

Late Sh. K. C. Jangid
Founder

Address(Factory): G-251, Phase-VI, Aya Nagar, New Delhi - 110 047.

Address (Showroom): G-264, Aya Nagar Delhi - 110 047.

Mob.: 9810988553, 9818132880, 9868404767
Email: ishaka.co.in@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.......

ओम प्रकाश जांगिड (गोठड़ा तगेलान, सीकर वाले)
पूर्व महामंत्री, जां.ब्रा.प्रदेश सभा दिल्ली

OMKARA
TRANSPORT PVT. LTD.

The Professional Carriers with Personal Care

Website : www.omkaratransport.com Email- accounts@omkaratransport.com

Head Office: 660, Sanjay Enclave, Opp. G.T.K. Depot., G.T. Karnal Road, Delhi-110033
Ph. (91-11) 27639241,27639341,27630041,27634841,27633841,Fax.27632841,27634841

ANKLESHWAR	:	Plot No. 432, Asian Paint Chowkdi, Near New Deep Chemical, GIDC–Ankleshwer Mr. Kailash Jangid 02646-220276, 220797,9376011451, 9426740247
BHIWANDI	:	BGTA Compound, Opp.Maratha Punjab Hotel, Anjur Phata, Bhiwandi Mr. Naresh 9320253841
CHANDIGARH	:	Plot No.-5 Sec-26 Transport Area, Chandigarh Mr. Santosh 0172-3079441, 5006099, 9356606683, 9357899555
DELHI	:	AG-468, Sanjay Gandhi Transport Nagar, Delhi – 110042 Mr.Rajender Prasad 9311610041
FARIDABAD	:	17/6 Mathura Road, Sarpanch Colony, Faridabad Mr. Mahaveer Singh 0129-2227534, 9313058799, 9312582741
GANDHIDHAM	:	105,Varindavan Complex, Nr. BMCB, Sector-9A, Plot No-20, Gandhidham-Kutch-370201, Mr.Rudramani Sharma 02836-239531,9099674577,9375674577
GURGAON	:	Naharpur Road, Nr. Anaj Mandi Chowk, Gurgaon Mr. Gauri Shankar 0124-4031626, 9312403872, 9350584403
VAPI	:	15-163A, Near Saiyad paper Mill, Jay shree Chamber 2nd Phase, GIDC Vapi-396195 Mr. Sonu Singh 0260-3264022, 9377926191
PANT NAGAR	:	MIG-495 Awas Vikas, Opp:Himshikhar property, Rudrapur-Udhamsingh Nagar Mr.Trilok Singh 9358865110
PUNE	:	Supreme House,149B, Transport Nagar, Sec-23, Pradhi Karan, Nigdi PUNE-410044, Mr. Subhash 020-27655987, 9371014573, 932665378
BHIWADI	:	G-464, Phase-1,Rico Industrial Area, Bhiwadi-301019 Mr. Ratan Singh 01493-223567, 224667, 9214021567, 9549821567
MUMBAI	:	105,Sterling Chamber, Pune Street, Mumbai-400009 Mr.Ashok 022-32968650, 022-32968651, 022-23748845, 9321697083

OMKARA CAR ACCESORIES

SIKAR (RAJASTHAN)

'जांगिड ब्राह्मण' पत्र के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज में भावात्मक एकता, सहभागिता, सदाचार एवं नैतिकता जैसे गुण प्रोत्साहित करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को उजागर कर उनके उन्मूलन हेतु जनाधर तैयार करना।
6. पत्र प्रत्येक अंग्रेजी मास की 22-27 तारीख को प्रकाशित होता है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्र में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 011-42470443, 011-42420443

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रविशंकर शर्मा ''जांगिड'' - 09414110627

महामंत्री-पं.चन्द्रपाल भारद्वाज ''जांगिड'' - 09971915304

सम्पादक-पं.प्रभुदयाल शर्मा ''जांगिड'' - 09799055485

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता	रुपये
प्लैटिनम सदस्य	- 1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	- 51,000/-
रजत सदस्य	- 25,000/-
विशेष सम्पोषक	- 21,000/-
सम्पोषक सदस्य	- 11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	- 2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	- 500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	- 251/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-, वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-, वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के **स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं.** 61012926182 **(IFSC Code: SBIN0031013)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते है। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें। तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अनिल कुमार शर्मा ''जांगिड''
सह-कोषाध्यक्ष, मो. 09650027603

-शंकर लाल धनेरवा ''जांगिड''
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 09460381389

अनुक्रमणिका

13. सम्पादकीय.....
14. गुज.प्र.के बूथों की सूची..
16. गुजरात-मत पत्रों की प्रारूप...
17. चुनाव सम्बन्धित आवश्यक सूचना..
19. अंतिम सूची, प्रदेशाध्यक्ष चुनाव हरि..
20. हरियाणा-मतदान केन्द्रो की सूची..
24. चलो मुण्डका..
25. हरियाणा प्र. चुनाव सम्बन्धित सूचना
27. छात्रवृति वितरण समारोह..
28. जां.ब्रा.विद्यार्थी ट्रस्ट प्रार्थना पत्र..
29. मध्य प्रदेश की त्रैमासिक मीटिंग की..
30. पितृ पक्ष और श्राद्ध संस्कार..
31. जां. ब्रा. जिलासभा अजमेर का...
32. समाज विकास हेतु संयुक्त परिवार.
33. जोबनेर शाखासभा अध्यक्ष निर्वाचित.
34. शाखासभा फरीदाबाद का 25वां....
35. विशेष सूचना- पत्रिका
36. झूंझूनुं जिले की चुनाव अधिसूचना..
37. उच्च शिक्षा प्राप्त युगल भी..
38. 15 अगस्त को तिरंगा...
39. हर समाज हित में चिंतन
40. 5 सितम्बर शिक्षक दिवस
41. विश्वकर्मा मन्दिर में जन्माष्टमी....
42. जगदीश मन्दिर की कलाकृति..
44. धैर्य रखने से मिलती है सफलता..
45. कविता.
46. यह दुनिया, ये जीवन क्या है?
48. भगवान विश्वकर्मा का जीवन परिचय.
50. विनम्र अपील....
51. होनहार प्रतिभाएं.....
54. कविता...
55. संरक्षक सदस्य पत्रिका रहित.....
57. वैवाहिक विज्ञापन..
57. शोक सन्देश,

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

महासभा मुण्डका भवन हेतु दान दाताओं की सूची
इशाका डेकोर प्र.लि.
ओमकारा ट्रांसपोर्ट प्राईवेट लि.
कृष्णा इंटीरियर्स
जांगिड इंटीरियर्स डेकोर प्रा.लि.
श्रीपवन स्टोनटेक इण्डिया प्रा.लि.
विश्वकर्मा लेमिनेट्स प्रा.लि.
श्री दामोदर कोच क्राफ्ट प्रा.लि..
कमल प्रिन्टर्स
श्रद्धांजलि
श्री विश्वकर्मा (एमरी स्टोन)
शर्मा एण्ड कम्पनी
भागीरथ मोटर्स

Magzine Designed by Chandan

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर मास की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही है वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही है, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।?

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की **10 तारीख तक** महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमें पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अन्त में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दें। तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।-**सम्पादक**

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

"नाशवान पदार्थो से प्रीति करना निरर्थक है"

प्राय: मानव यह विचार नहीं करते कि नाशान पदार्थो का आश्रय कितने दिन टिकेगा? ये कब तक साथ देंगे? धन बैंको में धरा रह जायेगा, पत्नी पुत्र मकान सब पीछे छूट जायेंगे एवं हर शरीर चिता में जलकर राख हो जायेगा। किन्तु इनका संग्रह करने में जो झूंठ, कपट, पाप किये है, वे अन्त:करण में जमा होकर साथ चलेंगे। फिर नरक मे भीषण यम-यातना प्राप्त होगी। सब-के-सब चले जायेंगे, सब साथ छोड देंगे। "देखते ही छिप जायेंगे, ज्यों तारा परमात" जब तक ये दो नेत्र टिमटिम रहे हैं, श्वासरूपी छौंकनी चल रही है, तभी तक लोग आशा लगाये बैठे है- कहा भी है- **"सांस थकां सब आस करै, जब सांस गया सब काड़ो रे काड़ो। धरती को धन बताये दियो, अब नाक समेत बांधो रे गाड़ो।। अड़ोस-पड़ोस के आप खड़े, कोई न कहै अब राखो रे ठाड़ो। मसान की मंजिल पहुंचा दियो, अब रह गई जान, चलो गयो लाड़ो।।"** कैसा करूण दृश्य है। यही दशा सभी की होने वाली है। याद रखों, वह दिन प्रतिक्षण ही नजदीक आ रहा है। बहुतों के लिए कफन पहले से ही तैयार है, वह कपड़ा अब बुना न ही जायेगा। जिससे अर्थी बांधी जायेगी। वह मूंज भी तैयार है। बांस भी तैयार है, अर्थी उठाने वाले भी अब नही जन्मेंगे। कन्धा देने वाले भी तैयार बैठे है। जलाने की जगह भी सुरक्षित पड़ी है। सब सामग्री तैयार है, केवल इस श्वासरूपी छौंकनी के बन्द होने की प्रतीक्षा कर रहे है। इधर निश्चित बैठे है, सुख भोग का मनोराज्य करते है, लगता है, मरने वालों का समुदाय कोई दूसरा ही है, कोई दूसरा ही मोहल्ला है। हम थोड़े ही मरते है देख रहे है, किन्तु अपनी मृत्यु का ध्यान ही नहीं है। अपनी जानकारी, अपने ज्ञान का महान अनादक कर रहे है। आखिर हम कर क्या रहे हैं? किधर जा रहे हैं? यदि आज ही हमारी मृत्यु हो जाये तो कौन हमारा साथ देगा? है कोई साथ देने वाला? **"आराम के है सब संग साथी, जब वक्त पड़ा तब कोई नहीं। यहां मतलब के लोग सभी, दुनिया में किसी का कोई नहीं।। जब टिकिट मिला है जाने का, तब ड़ेरा किया है मसानों में।वहां जलाने वाले लाखों थे, पर जलने वाला कोई नही।।"**

संसार में कोई किसी का न हीं सभी मतलब के साथी है। वक्त पड़ने पर केवल एक भगवान ही काम आ सकते है, अन्य सभी लोग धोखा दे देंगे। भगवान से यदि प्रेम किया होता, उनके साथ पहचान की होती, उनको अपना बनाया होता तो आज रोना नही पड़ता। वे प्रभु हमारे है, अपने है, सर्वोपरि है एवं उन पर हमारा हक बनता है। उन प्रभु से प्रेम करने का, स्नेह करने का, भक्ति करने का, बोध प्राप्त करने का, इसी मानव-शरीर में यह सुर दुर्लभ अवसर है। यह अवसर हाथ से निकल गया तो फिर पश्चाताप के सिवा और कुछ नही होगा। गोस्वामी तुलसीदास जी ने कहा है-**"बड़े भाग्यमानुष तनु पावा, सुर दुर्लभ सद ग्रंथन्हि गावा।साधन धाम मोक्षकर द्वारा,पाई न जेहिं परलोक संवारा।।**

दोहा- **सो परत्र दु:ख पावई सिर धुनि-धुनि पछिताई। कालहि कर्म हि ईश्वर मिथ्या दोस लगाई।।**

अर्थात- बड़े भाग्य से यह मनुष्य शरीर मिला है, सब ग्रन्थों ने यही कहा है कि यह शरीर देवताओं को भी दुर्लभ है (कठिनता से मिलता है) यह साधन का धाम और मोक्ष का दरवाजा है। इसे पाकर भी जितने परलोक न सुधारा हो, वह परलोक में दु:ख पाता है, सिर पीट-पीटकर पछताता है तथा (अपना दोष न समझकर) काल पर, कर्म पर और ईश्वर पर मिथ्या दोष लगाता है। यह कितनी विचित्र बात है कि सीधे एवं सुगम कार्य को तो कठिन मान रहे है, किन्तु कठिन एवं अस्वाभाविक कार्य को सहज बतला रहे है। अत: नाशवान पदार्थो से प्रीति करना निरर्थक है भगवान का भजन एवं भक्ति करना सार्थक है।

सम्पादक

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा,दिल्ली
पंजीकृत सं.–एस.27/1919
प्रदेश सभा गुजरात के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद हेतु चुनाव ,दिनांक 06 अक्टुबर 2019, रविवार

चुनाव हेतु बूथ, मतदान स्थल, बूथ प्रभारी, पर्यवेक्षक एवं मतदान अधिकारियों की सूची

बूथ क्रमांक	बूथ का नाम	मतदान का स्थान	नाम	पद	मोबाईल नं.
1	अहमदाबाद (जिला अहमदाबाद, अरावल्ली, भावनगर, जामनगर, राजकोट, सुरेन्द्र नगर के सभी मतदाता)	जांगिड ब्राम्हण समाज वाड़ी उमा शिक्षण संस्थान के सामने नरोड़ा अहमदाबाद	श्री रामस्वरूप जी जांगिड	बूथ प्रभारी	9723563370
			श्री सत्यपाल जी वत्स	पर्यविक्षक	9416055359
			श्री बाबूलाल जी मिस्त्री	मतदान अधिकारी	9328347851
			श्री राजेन्द्र जी जांगिड़	मतदान अधिकारी	9712929486
			श्री मणीराम जी जांगिड	मतदान अधिकारी	7801938439
2	आणंद (जिला आणंद के सभी मतदाता)	श्री विश्वकर्मा जांगिड सुथार समाज सेवा ट्रस्ट 47, गोपालपुरा इंडीस्ट्रयल पार्क मोगर, आणद	श्री ताराचंद जी जांगिड	बूथ प्रभारी	9825192623
			श्री अनिल जी एस. दिल्ली	पर्यविक्षक	9015815597
			श्री कृष्ण कुमार जी शर्मा	मतदान अधिकारी	9737676747
			श्री राजेन्द्र जी सुथार	मतदान अधिकारी	9974276364
			श्री शांतिलाल जी जांगिड	मतदान अधिकारी	9427251962
3	बड़ोदा (जिला बड़ोदा के सभी मतदाता)	श्री विश्वकर्मा सेल्स कोर, 38 – हरिभक्त एस्टेट, गणेशनगर के सामने, प्रताप नगर, डभोई रोड़, बडोदा	श्री बनवारीलाल जी जांगिड	बूथ प्रभारी	9825317345
			श्री मिश्रीलाल जी शर्मा, पूना	पर्यविक्षक	8446002342
			श्री ग्यारसी लाल जी जांगिड	मतदान अधिकारी	9374567280
			श्री किशोर कुमार जी शर्मा	मतदान अधिकारी	9376251788
			श्री ओमप्रकाश जी शर्मा	मतदान अधिकारी	9998276651
4	डीसा (बनासकांठा) (जिला बनासकांठा व पाटन के सभी मतदाता)	श्री सुथार समाज प्रगति मण्डल, विश्वकर्मा मंदिर, नेशनल हाईवे, डीसा	श्री उत्तम भाई सुथार	बूथ प्रभारी	9909537935
			श्री पोपट भाई सुथार	–//–	9265340330
			श्री कैलाश जी जोपिंग, इंदौर	पर्यविक्षक	9893348498
			श्री बजरंग जी जांगिड	मतदान अधिकारी	9783661310
			श्री पुखाराम जी जांगिड	मतदान अधिकारी	9727900454
			श्री देवाराम जी सुथार	मतदान अधिकारी	8722431872
5	भरूच (जिला भरूच के सभी मतदाता)	डी.आर. एन्टरप्राईजेस , के–1, 57/11–12, फेज–2, जी.आई.डी.सी. नर्मदानगर, भरूच	श्री दौलतराम जी जांगिड	बूथ प्रभारी	9426847141
			श्री नवरत्न जी जांगिड,इंदौर	पर्यविक्षक	7000302619
			श्री अशोक कुमार जी जांगिड	मतदान अधिकारी	9825430589
			श्री नाथुलाल जी जांगिड	मतदान अधिकारी	9712991556
			श्री हरिराम जी आर. शर्मा	मतदान अधिकारी	9925045527

6	दाहोद (जिला दाहोद व झालोद के सभी मतदाता)	भोला कॉम्पलेक्स, ग्राण्डा चौकड़ी, गरवाड़ा रोड़, दाहोद	श्री विजय कुमार जी शर्मा श्री वसंत वी. शर्मा श्री सांवरमल जी जांगिड, (बांसवाड़ा) श्री ईश्वरदत्त जी शर्मा श्री अक्षय कुमार जी जांगिड श्री दयाराम जी सुथार	बूथ प्रभारी -//- पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9428781765 9925321599 8890741914 9426033926 760050500 9723056756
7	डाकोर (खेड़ा) (जिला खेड़ा एवं नड़ियाद के सभी मतदाता)	कठिया खाक चौक मंदिर, राम चौक मंदिर के सामने, डाकोर	श्री भेरूलाल जी जांगिड श्री महेशकुमार जी शर्मा, आवावास, खाटूश्याम जी श्री मालचंद जी शर्मा श्री मदनलाल जी सुथार श्री भागीरथमल जी सुथार	बूथ प्रभारी पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9429441882 9829516819 7878336611 9898754345 982595334
8	गांधीनगर (जिला गांधीनगर व साबरकांठा के सभी मतदाता)	राजस्थान मोटर बॉडी बिल्डर, एस्सार पम्प के सामने, अहमदाबाद हाईवे, कलोल, गांधीनगर	श्री गोरीशंकर जी जांगिड श्री गोपाल जी शर्मा श्री कृष्णकुमार जी आसोदा (नफजगढ) श्री राकेश कुमार जी शर्मा श्रीमती रीमा जी शर्मा श्री बाबुलाल जी सुथार	बूथ प्रभारी -//- पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9016652891 9898079128 9711333006 9427317647 9825740427 9327927910
9	गोधरा (पंचमहल) (जिला पंचमहल के सभी मतदाता)	मनोज कांच वाला, सेन्टमेरी चर्च के सामने, देव तलाव चोकड़ी, अहमदाबाद हाईवे, गोधरा	श्री लक्ष्मीनारायण जी जांगिड श्री रूपचंद जी जांगिड, इंदौर श्री मनोज कुमार जी मिस्त्री श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जांगिड श्री देवीलाल जी सुथार	बूथ प्रभारी पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9106621121 9425082012 9998224428 9426877672 9825409651
10	गांधीधाम (कच्छ) (जिला कच्छ के सभी मतदाता)	श्री जांगिड ब्राम्हण समाज समिति ट्रस्ट, उदयनगर के सामने, सेक्टर 10 बी/डी गांधीधाम	श्री खीमचंद जी जांगिड श्री देवमणी जी जांगिड, दिल्ली श्री हीरा लाल जांगिड श्री शिवदयाल जी शर्मा श्री महेश कुमार जी शर्मा श्री नेपाराम जी सुथार	बूथ प्रभारी पर्यवेक्षक पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9427512515 9891144411 9911921473 9824789016 9427802922 9426848826
11	महेसाणा (जिला महेसाणा के	विजय लक्ष्मी मोटर बॉडी, रामपुरा चौकड़ी, वीजापुर रोड़,	श्री व्रजकिशोर जी शर्मा श्री श्याम जी शर्मा, इंदौर श्री अरविन्द कुमार जी शर्मा	बूथ प्रभारी पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी	9426595705 9406622552 8128804019

	सभी मतदाता)	महेसाणा	श्री तेजा भाई सुथार श्री सामला भाई सुथार	मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9825093590 9825623991
12	सूरत (जिला सूरत, तापी व बारडोली के सभी मतदाता)	श्री विश्वकर्मा मंदिर, अल्थाण गार्डन के पास, सूरत	श्री एकलिंग जी जांगिड श्री राहुल जी जांगिड, जयपुर श्री रमेश जी शर्मा श्री ओमप्रकाश जी शर्मा श्री हीरानंद जी मिस्त्री	बूथ प्रभारी पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9824144003 9829071530 9428556743 9998276651 9824840318
13	वलसाड (वलसाड तहसील एवं नवसारी जिला के सभी मतदाता)	जांगिड समाज वाडी, प्लाट नं. 153–155, पूजा सोसायटी, सासू मां होटल के सामने, नेशनल हाईवे रोड, वलसाड	श्री बालकिशन जी जांगिड श्री प्रदीप जी जांगिड श्री रामजीलाल जी शर्मा, जयपुर श्री राधेश्याम जी चिचावा,जयपुर श्री महेन्द्र जी जांगिड श्री हितेश कुमार जी शर्मा श्री चिराग जी जांगिड	बूथ प्रभारी –//– पर्यवेक्षक –//– मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9049537464 9375923396 9785670893 9460124329 8723622828 8690201212 8364980222
14	वापी (दमण, नानी दमण, सेलवास व वलसाड जिले के वापी, उमरगांव, चिखली, पारडी, धरमपुर, उकवाड़ा एवं जिले के बाकी सभी मतदाता)	जांगिड ब्राम्हण चेरिटेबल ट्रस्ट, जांगिड समाज वाडी, दमण गंगा पुल के पास, वापी	श्री द्वारका प्रसाद जी शर्मा श्री ओमप्रकाश जी जांगिड श्री किशनलाल जी शर्मा, पूना श्री देवीलाल जी जांगिड श्री अशोक कुमार जी जांगिड श्री महेन्द्र कुमार जी जांगिड	बूथ प्रभारी –//– पर्यवेक्षक मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी मतदान अधिकारी	9228237733 9825139534 9890001613 9825409651 9879435256 9723622828

शिव कुमार शर्मा, मंदसौर
सहायक चुनाव अधिकारी
गुजरात प्रदेश
मो. 8770015439

प्रवीण शर्मा, नीमच
चुनाव अधिकारी
गुजरात प्रदेश
मो. 9300905141

मत पत्र का प्रारूप/नमूना

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, दिल्ली
पंजीकृत सं.–एस.27/1919
प्रदेश सभा गुजरात के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद हेतु चुनाव ,दिनांक 06 अक्टुबर 2019, रविवार

मतपत्र क्रमांक ....

मतदाता सदस्यता सं. ....

....

मतदाता का नाम ....

हस्ताक्षर मतदान अधिकारी

हस्ताक्षर मतदाता ....

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, दिल्ली
पंजीकृत सं.–एस.27/1919

प्रदेश सभा गुजरात के '' **प्रदेशाध्यक्ष** '' पद हेतु चुनाव

दिनांक 06 अक्टुबर 2019, रविवार, समय – प्रात: 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक

क्र.	नाम	चुनाव चिन्ह	मोहर लगाने हेतु स्थान
1.	**श्री कैलाश जी जांगिड** 38, ठाकुर दीप सोसायटी बसंत बिहार टाउन शिप के पास, भटार, सूरत		
2.	**श्री मदनलाल जी शर्मा** सी 181 आदिनाथ नगर ओढ़व रोड, अहमदाबाद	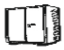	
3.	**श्री मोहनलाल जी जांगिड** ई–276 सपना नगर, गांधीधाम		

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक...

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा,दिल्ली

प्रदेशसभा गुजरात के " प्रदेशाध्यक्ष " पद हेतु चुनाव

-:: "चुनाव संबंधित आवश्यक सूचना एवं नियम" ::-

01. अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राम्हण महासभा दिल्ली प्रदेश सभा गुजरात के "प्रदेशाध्यक्ष" पद हेतु चुनाव दिनांक 06 अक्टुबर 2019 रविवार को प्रात: 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक विभिन्न निर्धारित मतदान केन्द्रो पर गुप्त मतदान प्रक्रिया द्वारा सम्पन्न होंगे।

02. प्रदेशसभा गुजरात के "प्रदेशाध्यक्ष" पद के लिये मतपत्र का प्रारूप/नमूना इसी अंक (सितम्बर 2019, जांगिड़ ब्राम्हण पत्र) में प्रकाशित किया गया है । मतदान के लिये प्रत्येक मतदान केन्द्र पर सूची अनुसार मतदान अधिकारी द्वारा मतदाता को दिया जाएगा वही मत पत्र वैद्य होगा।

03. गुजरात प्रदेश के मतदाताओं के साथ - साथ महासभा से पंजीकृत जिला सभा, शाखा सभा, ब्लाक सभा अथवा अन्य कोई भी संस्था, जो पंजीकृत है उन्हें, एक वोट डालने का नियमानुसार अधिकार होगा।

04. यदि कोई मतदाता महासभा की एक से अधिक सदस्यता प्राप्त सदस्य है तो उसे सभी प्रकार की सदस्यता के लिए एक ही मत प्रयोग करने का अधिकार होगा।

05. प्रदेशसभा गुजरात में "प्रदेशाध्यक्ष" पद के चुनाव के लिये कुल 14 मतदान केन्द्र बनाये गये है। जिससे लगभग सभी मतदाता सुगमता से मतदान स्थल तक पहुंचकर अधिक से अधिक मतदान कर सके।

06. मतदान केन्द्रो एवं मतदान स्थलों सहित सभी मतदान अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं बूथ प्रभारियों के साथ-साथ संबंधित क्षैत्रों की सूची भी इसी अंक में प्रकाशित की गई है।

07. मतदान करने का अधिकार गुजरात प्रदेश के उन्हीं सम्माननीय सदस्यों को होगा जो दिनांक 05 अगस्त 2019 सोमवार सायंकाल 5 बजे तक महासभा के स्वर्ण/रजत/प्लेटीनम/विशेष सम्पोषक/सम्पोषक/संरक्षक/महिला एवं पत्रिका रहित सदस्य होंगे। महासभा द्वारा जारी मतदाता सूची अवलोकनार्थ महासभा कार्यालय दिल्ली सहित प्रदेश सभा भवन गुजरात एवं सभी प्रत्याशियों के पास उपलब्ध है।

08. विदेशो में रहने वाले सम्मानीय मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग ईमिल, के माध्यम से कर सकेंगे। महासभा की ईमिल पर अपनी आईडी से मतपत्र (स्केन किया हुआ, जो संबंधित मतदाता को जारी किया जायेगा को मताधिकार का प्रयोग कर) भेजा जा सकता है।

09. प्रत्येक मतदाता को अपना मत देने के लिये परिचय पत्र (महासभा द्वारा जारी पहचान पत्र, सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र, पेनकार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, पासपोर्ट, आधार कार्ड अथवा अन्य फोटो युक्त पहचान पत्र) दिखाना अनिवार्य होगा अन्यथा मतदान से वंचित कर दिये जायेंगे।

10. चुनाव संबंधित किसी प्रकार के संशय का निराकरण चुनाव अधिकारी गुजरात प्रदेश अथवा महासभा कार्यालय से संपर्क करके कर सकते हैं।

11. सभी मतदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि वे शांतिपूर्ण एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को बनाये रखाते हुए मतदान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेंवे तथा किसी भी प्रकार से समाज के गौरवमय इतिहास को ठेस ना पहुंचने देवे।

12. सभी सम्माननीय प्रबुद्धजनों , जिलाध्यक्षों, बूथ प्रभारियों, तहसील एवं शाखा अध्यक्षों से निवेदन है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के मतदान केन्द्रो पर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिये अपना सहयोग प्रदान करें।

13. मतदान हेतु सम्माननीय मतदान अधिकारी जहां पर नियुक्त है उसी मतदान केन्द्र पर मतदान कर सकते हैं साथ ही प्रत्याशियों द्वारा नियुक्त चुनाव अभिकर्ता यदि अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर तो सूचित कर वही पर मतदान कर सकेंगे।

14. मतदान केन्द्रों पर मतदान के तुरंत बाद (सायंकाल 5 बजे पश्चात) मतों की गणना कर सभी प्रत्याशियों को अलग अलग प्राप्त वैध मतों, निरस्त एवं टेण्डर मतों का विवरण संबंधित प्रपत्र में अंकन (भरकर) पर्यवेक्षक द्वारा मतदान अधिकारी जिलाध्यक्ष/बूथ प्रभारी/शाखा अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर के साथ- साथ प्रत्याशी/प्रत्याशी प्रतिनिधि एवं चुनाव अभिकर्ता के हस्ताक्षर करवाकर उसी दिन 06 अक्टुबर 2019 रविवार को रात्रि 9 बजे तक महासभा की ई-मेल (E-mail- jangid.mahasabha@gmail.com) के माध्यम से महासभा कार्यालय दिल्ली चुनाव अधिकारी गुजरात प्रदेश को प्रेषित किया जावेगा।

15. चुनाव अधिकारी गुजरात प्राप्त सभी परिणामों का संकलन कर दिनांक 06 अक्टुबर 2019 रविवार रात्रि 10 बजे महासभा कार्यालय दिल्ली से ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद का चुनाव परिणाम घोषित करेंगे।

16. मतदान हेतु बनाये गये सभी मतदान केन्द्रों पर सम्पूर्ण देखरेख संबंधी व्यवस्था सम्माननीय जिलाध्यक्षों /बूथ प्रभारीयों/तहसील/शाखा अध्यक्षों की रहेगी। उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षता से संपन्न करवाने में सहयोग प्रदान करें।

17. मतदान केन्द्र परिसर में किसी भी प्रत्याशी के द्वारा कोई भी सहायता केन्द्र अथवा प्रचार सामग्री , टेबल लगाना निषेध रहेगा।

18. पुन: सभी सम्माननीय मतदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें एवं सामाजिक सौहार्द्र एवं गरिमामयी महासभा इतिहास में और अभिवृद्धि कर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षता से चुनाव सम्पन्न करवायें।

शिवकुमार शर्मा
सहायक चुनाव अधिकारी
गुजरात प्रदेश
मो. 8770015439

प्रवीण शर्मा
चुनाव अधिकारी,
गुजरात प्रदेश
मो. 9300905141

प्रदेशसभा हरियाणा के 'प्रदेशाध्यक्ष' पद हेतु प्रत्याशियों की घोषणा व अंतिम सूची का प्रकाशन

।। श्री विश्वकर्मणे नमः।।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

(रजि. क्र. एस- 27/1919)

नामांकन प्रक्रिया हेतु प्रपत्र- (प्रत्याशियों की घोषणा)

प्रदेश सभा **हरियाणा** — चुनाव दिनांक **03-नवम्बर-2019**

आज दिनांक **15 सितम्बर 2019** को प्रदेश सभा **हरियाणा** के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन वापसी पश्चात् शेष रहे प्रत्याशियों की सूची निम्नानुसार है।

क्र.सं.	नाम	निवासी	चुनाव चिन्ह
1	श्री अजयकान्त जांगड़ा	हिसार	
2	श्री जोगेन्द्र सिंह जांगड़ा	झज्जर	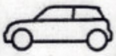
3	श्री कलवन्त सिंह	हिसार	
4	श्री शेर सिंह जांगिड़	रोहतक	

उपरोक्त प्रत्याशियों को "प्रदेशाध्यक्ष" पद हेतु घोषित किया जाता है। मतदान दिनांक 03.11.2019 को प्रातः 9:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक अलग अलग मतदान केन्द्रो पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से गुप्त मतदान द्वारा सम्पन्न करवाये जायेंगे। मतदान केन्द्रो, मतदान अधिकारियो एवं पर्यवेक्षको की सूचना जांगिड़ ब्राहम्ण पत्रिका" में प्रकाशित की जायेगी।

दिनांक **15.09.2019**

समय - सांय 5:30 बजे

हस्ताक्षर चुनाव अधिकारी

विशेष - एक ही प्रत्याशी शेष रहने पर उसी दिन निर्विरोध "प्रदेशाध्यक्ष" पद की घोषणा कर दी जावे।

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार

-: मतदान केन्द्रों की सूचि :-

1. हरियाणा	प्रदेशाध्यक्ष–डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:–9582796897
बूथ न. 1 — **1. विश्वकर्मा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,ए–ब्लाक, रेवाड़ी–ए** **नोट:** रेवाड़ी मतदान केन्द्र पर रेवाड़ी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री जगदीश शर्मा–9810114737**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री दौलत राम जांगिड, 9416287658 2. **मतदान अधिकारी**–श्री मुकेश कुमार, 8901718612 3. **मतदान अधिकारी**–श्री चत्तरपाल जांगिड, 9416373091 4. **मतदान अधिकारी** श्री खुशीराम जांगिड, 9868878866 **जिलाध्यक्ष** – श्री आर.डी. शर्मा,
बूथ न. 2 — **2. विश्वकर्मा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,बी–ब्लाक, रेवाड़ी–बी** **नोट:** रेवाड़ी मतदान केन्द्र पर रेवाड़ी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री राजेन्द्र सिंह–9868820744**	1. **मतदान अधिकारी**–मा. होशियार सिंह, 9467267320 2. **मतदान अधिकारी**–श्री धीरज जांगडा, 9468132085 3. **मतदान अधिकारी**–श्री ओम प्रकाश, 9416454123 **पर्यवेक्षक** श्री नारायण दत्त, 9416422179 **जिला** – श्री आर.डी. शर्मा
बूथ न. 3 — **3. विश्वकर्मा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,सी–ब्लाक, रेवाड़ी–सी** **नोट:** रेवाड़ी मतदान केन्द्र पर रेवाड़ी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री सुरेश चन्द–9416418741**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री वेद प्रकाश,मीरपुर, 9818248909 2. **मतदान अधिकारी**–मा. मुरारी लाल, 9255414265 3. **मतदान अधिकारी**–श्री सत्यपाल काठमंडी, 9812553882 4. **मतदान अधिकारी** सुरेन्द्र कुमार, 01274–240775 **जिलाध्यक्ष** – श्री आर.डी. शर्मा
बूथ न. 4 — **4. जांगिड ब्राह्मण हाई स्कूल रेलवे रोड़, गुडगांव–ए** **नोट:** गुडगांव मतदान केन्द्र पर गुडगांव जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री मुकेश जांगडा–9971121307**	1. **मतदान अधिकारी**–सत्यनारायण जांगिड, 9717492592 2. **मतदान अधिकारी**–श्री मनरूप जांगिड, 9311041105 3. **मतदान अधिकारी**–श्री नरेश शर्मा, 9213523977 4. **मतदान अधिकारी** श्री भगवत प्रसाद(रिटा.), 9999480833 **जिलाध्यक्ष** – श्री सतीश कुमार जांगिड, 9416349132
बूथ न. 5 — **5. जांगिड ब्राह्मण हाई स्कूल रेलवे रोड़, गुडगांव–बी** **नोट:** गुडगांव मतदान केन्द्र पर गुडगांव जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री सहदेव जांगडा–8376026679**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री बी.डी शर्मा, 9871692751 2. **मतदान अधिकारी**–श्री रमेशचन्द्र, 9990337759 3. **मतदान अधिकारी**–श्री कृष्ण कुमार, 9810293718 4. **मतदान अधिकारी** श्री राजेन्द्र सिंह, 9999110312 **जिलाध्यक्ष** – श्री सतीश कुमार जांगिड, 9416349132
बूथ न. 6 — **6. जांगिड ब्राह्मण हाई स्कूल रेलवे रोड़, गुडगांव–सी** **नोट:** गुडगांव मतदान केन्द्र पर गुडगांव जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री प्रदीप जांगडा–9891760703**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री धर्मपाल सिंह, 9718345833 2. **मतदान अधिकारी**–श्री ब्रह्मदत्त जांगडा(झारसा), 9810969747 3. **मतदान अधिकारी**–श्री मुकेश कुमार, 9871728857 4. **मतदान अधिकारी**–श्री चरणसिंह, 9911281292 **जिलाध्यक्ष** – श्री सतीश कुमार जांगिड, 9416349132

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार
-: मतदान केन्द्रों की सूचि :-

1. हरियाणा	प्रदेशाध्यक्ष–डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:–9582796897
बूथ न. 7 — 7 .श्री विश्वकर्मा धर्मशाला सोहना **नोट:** सोहना मतदान केन्द्र पर तहसील सोहना व जिला नूंह मेवात के मतदाता मतदान करेंगे।(पुनहाना व पिनंगवा के क्षेत्रो को छोड़कर)	1. **मतदान अधिकारी**–श्री अशोक कुमार(घामडौज), 9468466900 2. **मतदान अधिकारी**–श्री हेमराज(जखोपुर), 9050937272 3. **मतदान अधिकारी**–श्री सत्यप्रकाश इण्डरी, 9991368067 **जिलाध्यक्ष** – श्री सतीश कुमार जांगिड, 9416349132 **पर्यवेक्षक– श्री मनोहर लाल शर्मा–9968910271**
बूथ न. 8 — 8. विश्वकर्मा धर्मशाला हिसार **नोट:** हिसार मतदान केन्द्र पर हिसार, हांसी जिले के मतदाता मतदान करेंगे।	1. **मतदान अधिकारी**–श्री महेन्द्र सिंह पूर्वप्रधान, 9446606545 2. **मतदान अधिकारी**–श्री उमेशसिंह मा.हिसार, 9466134370 3. **मतदान अधिकारी**–श्री बलवंतसिह (रि.मै.), 9355102521 4. **मतदान अधिकारी**–श्री अमीलाल (कमां), 9416923798 **जिलाध्यक्ष** – श्री धर्मसिंह जी
बूथ न. 9 — 9 जांगिड ब्राह्मण धर्मशाला कुरूक्षेत्र **नोट:** कुरूक्षेत्र मतदान केन्द्र पर कुरूक्षेत्र, अम्बाला, यमुनानगर, पंचकुला, जिले व चण्ड़ीगढ, के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री ओम प्रकाश जी–9416104774**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री रणधीर जांगडा, 9416035756 2. **मतदान अधिकारी**–श्री चतरसिंह, 9416094408 3. **मतदान अधिकारी**–श्री ताराचन्द, 9050485391 **जिलाध्यक्ष** – श्री धर्मपाल जांगडा, 9416236865 **पर्यवेक्षक– श्री एस.एन.शर्मा–9366207937**
बूथ न. 10 — 10. श्री विश्वकर्मा धर्मशाला कैथल रोड, नजदीक रीवर पुल, करनाल **नोट:** जिला करनाल तथा जिला कैथल के सभी मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री प्रेमसिंह–9268620820**	1. **मतदान अधिकारी**–सुरेन्द्र ऐ.डी.ओ, 9813795348 2. **मतदान अधिकारी**–श्री सुनील कुमार, 9416469952 3. **मतदान अधिकारी**–श्री ओम प्रकाश सुपुत्र श्री कुलवंतराय 4. **मतदान अधिकारी** श्री अनिल जांगडा, 9416908331 **जिलाध्यक्ष** – राजपाल सिंह जांगडा, 9896515000
बूथ न. 11 — 11. विश्वकर्मा भवन/जांगिड धर्मशाला नया बाजार, भिवानी–ए **नोट:** भिवानी मतदान केन्द्र पर भिवानी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री प्रेमसिंह जांगिड–9416529695**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री जे.पी.शर्मा. रिटा.प्रिंसी., 9896379980 2. **मतदान अधिकारी**–श्री एडवो. हनुमान पहाडिया, 9050959932 3. **मतदान अधिकारी**–मा. जितेन्द्र , 9729533146 **जिलाध्यक्ष** – मा. ओम प्रकाश, 9467184566
बूथ न. 12 — 12. विश्वकर्मा भवन/जांगिड धर्मशाला नया बाजार, भिवानी–बी **नोट:** भिवानी मतदान केन्द्र पर भिवानी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री रविप्रकाश शर्मा–9812275298**	1. **मतदान अधिकारी**–मा. विकास, 9416689868 2. **मतदान अधिकारी**–मा. सुरेश, 9813393814 3. **मतदान अधिकारी**–मा. कृण, 9466337248 **जिलाध्यक्ष** – मा. ओम प्रकाश, 9467184566

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार
-: मतदान केन्द्रों की सूचि :-

1. हरियाणा	प्रदेशाध्यक्ष–डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:–9582796897
बूथ न. 13 13. विश्वकर्मा भवन/जांगिड धर्मशाला नया बाजार, भिवानी–सी **नोट:** भिवानी मतदान केन्द्र पर भिवानी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री जगदेव सिंह जांगिड–9466053528**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री आत्माराम डेरोलिया, 7988407039 2. **मतदान अधिकारी**–श्री मंजीत जांगिड, 8708482646 3. **मतदान अधिकारी**–श्री राजेश शिक्षाबोर्ड हरियाणा,9466857556 **जिलाध्यक्ष** – मा. ओम प्रकाश, 9467184566
बूथ न. 14 14. विश्वकर्मा सी.सै. स्कूल काठमंडी रोहतक **नोट:** रोहतक मतदान केन्द्र पर रोहतक जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री रामनिवास कालोनिया–8700987110**	1. **मतदान अधिकारी**–डॉ. विनोद कुमार(एमओ), 8950400038 2. **मतदान अधिकारी**–श्री राजेश कुमार सुपुत्र श्री सतवीर(काठमंडी) 3. **मतदान अधिकारी**–सुबेदार जयभगवान,गोपाल कालोनी, रोहतक 4. **मतदान अधिकारी**–सुबेदार महाबीर, 9518637856 **जिलाध्यक्ष** – श्री राजबीर भगत, 9416051476
बूथ न. 15 15. जांगडा धर्मशाला मेन बाजार, नजदीक थाना, झज्जर **नोट:** झज्जर मतदान केन्द्र पर झज्जर जिले के मतदाता मतदान करेंगे।(बहादुरगढ़ के अलावा) **पर्यवेक्षक– श्री जयभगवान–9466426076**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री राजपाल जांगिड, 9466723724 2. **मतदान अधिकारी**–श्री विनोद कुमार, 9416128935 3. **मतदान अधिकारी**–श्री राम प्रकाश, 9896562562 4. **मतदान अधिकारी**–डॉ. सन्तलाल,बहु, 9416477540 **जिलाध्यक्ष**– श्यामलाल जांगिड, 9416855441
बूथ न. 16 16. देव करण धर्मशाला काठमंडी बहादुरगढ़ (झज्जर) **नोट:** बहादुरगढ़ मतदान केन्द्र पर बहादुरगढ़ के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री रामपाल शर्मा–9250740464**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री किशोर कुमार, 9896156478 2. **मतदान अधिकारी**–श्री नवीन कुमार , 9896383922 3. **मतदान अधिकारी**–श्रीदयानन्द सुपुत्र बिशम्बर दयाल न.बस्ती(ब) 4. **मतदान अधिकारी**–श्री रामेश्वर दयाल, 8814044808 **जिलाध्यक्ष**– श्यामलाल जांगिड, 9416855441
बूथ न. 17 17. श्री विश्वकर्मा मंदिर एवं धर्मशाला, गन्नौर मंडी, रेलवे रोड, **नोट:** पानीपत, एवं सोनीपत जिले सभी मतदाता मतदान करेंगें। **पर्यवेक्षक– श्री राजेन्द्र सिंह नांगलोई–9211620450**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री राजेन्द्र सिंह जां(नांगलोई), 9312438483 2. **मतदान अधिकारी**–श्री सीलक राम (नांगलोई), 9212787487 3. **मतदान अधिकारी**–श्री सतबीर सिंह, (नांगलोई), 9818100649 4. **मतदान अधिकारी**–श्री सत्यभूषण आर्य,(समालखा), **जिलाध्यक्ष**– श्री श्रीराम, 8930599633
बूथ न. 18 18. विश्वकर्मा मंदिर पुल बाजार, नारनौल (महेन्द्रगढ़)–ए **नोट:** नारनौल एवं महेन्द्रगढ़ के सभी मतदाता मतदान करेंगे।	1. **मतदान अधिकारी**–श्री मानचन्द सरपंच, 9416443550 2. **मतदान अधिकारी**–श्री दौलतराम रापुरवाला, 9813371969 3. **मतदान अधिकारी**–श्री भानी सहाय एड, 9416903928 4. **मतदान अधिकारी**–श्री मोती राम (नारनौल), 9416444354

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार
-: मतदान केन्द्रों की सूचि :-

1.	हरियाणा	प्रदेशाध्यक्ष–डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:–9582796897
बूथ न. 19	19. विश्वकर्मा मंदिर पुल बाजार, नारनौल (महेन्द्रगढ़)–बी **नोटः** नारनौल एवं महेन्द्रगढ़ के सभी मतदाता मतदान करेंगे।	1. **मतदान अधिकारी**–श्री विनय कुमार जां (लैक्चरार), 9416170500 2. **मतदान अधिकारी**–श्री मनोज कुमार जां(वा.चेयरमेन), 9416321903 3. **मतदान अधिकारी**–श्री विरेन्द्र(हेडमास्टर, कैमला), 9416703015 4. **मतदान अधिकारी**–श्री परभाती जी, 9466347642 **जिलाध्यक्ष**– पंचम सिंह, 9416342243
बूथ न. 20	20. विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण भवन बिघेर रोड, फतेहाबाद **नोटः** इस मतदान केन्द्र पर फतेहाबाद जिले तथा सिरसा जिले के मतदाता मतदान करेंगे।	1. **मतदान अधिकारी**–श्री सत्यवान जांगडा, 9996611302 2. **मतदान अधिकारी**–श्री मांगेराम फतेहबाद, 8168155710 3. **मतदान अधिकारी**–श्री केदारलाल जांगडा, 9812227070 **जिलाध्यक्ष** – श्री पवन कुमार , सिरसा, 98168914568
बूथ न. 21	21. विश्वकर्मा धर्मशाला, जीन्द, **नोटः** जिला जीन्द के सभी मतदाता मतदान करेंगे।	1. **मतदान अधिकारी**–श्री सुभाष जांगडा,वा.चेयरमेन,9291892518 2. **मतदान अधिकारी**–श्री विजय जांगडा जी, 8950734706 3. **मतदान अधिकारी**–श्री सुरेन्द्र उचाणा, 8708360262 4. **मतदान अधिकारी**–श्री राजेन्द्र सिंह,ट्रक बाडी व. 9355122037 **जिलाध्यक्ष** – श्री महेन्द्र सिंह, 9416600045
बूथ न. 22	22. श्री विश्वकर्मा स्कूल, तिरखा कालोनी, विश्वकर्मा रोड, सिही रोड, बल्लबगढ़ फरीदाबाद **नोटः** बल्लबगढ मतदान केन्द्र पर बल्लबगढ व सैक्टर–2, 3, 7, 8, 9, 10, 11, 55, 62, 64, 65 के मतदाता मतदान करेंगे।	1. **मतदान अधिकारी**–श्री उद्यमसिंह जांगिड, 9560091900 2. **मतदान अधिकारी**–श्री सुनील जांगडा, 8070879547 3. **मतदान अधिकारी**–श्री सुभाष जांगिड, 7982951926 4. **मतदान अधिकारी**–श्री कृष्णअवतार, 9868581908 **जिलाध्यक्ष**– श्री हनुमान सिंह, 9818266557 **पर्यवेक्षकः** रविन्द्र कुमार जांगिड़, 9810021278
बूथ न. 23	23. ब्रह्मर्षि अंगिरा सी.सै. स्कूल, 3187, नगला रोड, जवाहर कालोनी, फरीदाबाद **नोटः** इस मतदान केन्द्र पर फरीदाबाद जिले के मतदाता मतदान करेंगे।(बल्लबगढ़ को छोड़कर) पर्यवेक्षकः ओम प्रकाश डोगवाल, 9910263070	1. **मतदान अधिकारी**–श्री टेकचन्द जांगिड, 9873668328 2. **मतदान अधिकारी**–श्री राजेन्द्र कुमार, 9810703246 3. **मतदान अधिकारी**–श्री महेश कुमार, 9953554252 4. **मतदान अधिकारी**–श्री अशोक कुमार, 9873457071 **जिलाध्यक्ष**– श्री हनुमान सिंह, 9818266557
बूथ न. 24	24. जांगिड धर्मशाला काठमंडी, चरखी दादरी **नोटः** चरखी दादरी मतदान केन्द्र पर चरखी दादरी जिले के मतदाता मतदान करेंगे। **पर्यवेक्षक– श्री राजेन्द्र छापारिया–9896644977**	1. **मतदान अधिकारी**–श्री अशोक कुमार, रिटा.इस्पे.–9991371804 2. **मतदान अधिकारी**–श्री देशराज, रिटा इस्पे.– 9991371804 3. **मतदान अधिकारी**–श्री जयसिंह जांगिड,कारी, 9813545047 **जिलाध्यक्ष**– श्री शेरसिह , 9050827240

''प्रदेशाध्यक्ष'' पद महासभा, चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 रविवार

-: मतदान केन्द्रों की सूचि :-

1.	हरियाणा	प्रदेशाध्यक्ष–डा. शेर सिंह जांगडा, मो.:–9582796897
बूथ न. 25	25. जांगिड ब्राह्मण धर्मशाला नियर सिविल हॉस्पीटल, होडल नोटः इस मतदान केन्द्र पर होडल के मतदाता मतदान करेंगे। पर्यवेक्षक: जगदीश चन्द्र जांगिड़, 9255406886	1. मतदान अधिकारी–हनुमान प्रशाद, 9818940261 2. मतदान अधिकारी–श्री मनोज कुमार, 9555164768 3. मतदान अधिकारी–सत्यप्रकाश जी, 4. मतदान अधिकारी–श्री गिरिराज जी, जिलाध्यक्ष– ज्ञानचन्द जांगिड, 9728372484/श्री मोहन चंद, 9416066486
बूथ न. 26	26. जांगिड ब्राह्मण धर्मशाला सिविल हॉस्पीटल रोड,पंचवटी चौराहा,पलवल नोटः पलवल मतदान केन्द्र पर पलवल, पुनहानां व पिनगंवा के सभी मतदाता मतदान करेंगे। पर्यवेक्षक– श्री कै.सूरजभान जांगिड–9466783393	1. मतदान अधिकारी–श्री देवदत्त जी, 9315491202 2. मतदान अधिकारी–श्री सुभाष शर्मा, 9968193133 3. मतदान अधिकारी–श्री संजीव जी, 9871093045 4. मतदान अधिकारी–श्री हरिओम जी, 9891107772 जिलाध्यक्ष– ज्ञानचन्द जांगिड, 9728372484

चलो मुण्डका...चलो मुण्डका

जांगिड समाज के इस ऐतिहासिक अवसर पर
चलो मुण्डका
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली
की ओर से
प्रस्तावित जांगिड ब्राह्मण भवन एवं छात्रावास
रानी खेड़ा मोड, निकट मेट्रो स्टेशन मुण्डका दिल्ली – 110049
के निर्माण हेतु
शिलान्यास समारोह
बुधवार, दिनांक 2 अक्टूबर 2019 प्रातः 10 बजे

इस अवसर पर समाज के अनेकों सुप्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित समाजसेवी गणमान्य व्यक्ति तथा विद्वत गण पधार रहें है। जहां आपकी उपस्थित अनिवार्य है।

अतः आपसे सादर अनुरोध है कि आप उपरोक्त कार्यक्रमानुसार समारोह में पधार कर अपना सार्थक सहयोग प्रदान करें।धन्यवाद

चन्द्रपाल भारद्वाज, महामंत्री

अखिल भारतीय जांगिड् ब्राह्मण महासभा, दिल्ली
प्रदेशसभा हरियाणा के '' प्रदेशाध्यक्ष '' पद हेतु चुनाव
-:: ''चुनाव संबंधित आवश्यक सूचना एवं नियम'' ::-

01. अखिल भारतीय जांगिड् ब्राम्हण महासभा दिल्ली प्रदेश सभा हरियाणा के ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद हेतु चुनाव दिनांक 03 नवम्बर 2019 गुरूवार को प्रात: 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक विभिन्न निर्धारित मतदान केन्द्रो पर गुप्त मतदान प्रक्रिया द्वारा सम्पन्न होंगे।

02. मतदान के लिये प्रत्येक मतदान केन्द्र पर सूची अनुसार मतदान अधिकारी द्वारा मतपत्र मतदाता को दिया जायेगा वही मत पत्र वैद्य होगा ।

03. हरियाणा प्रदेश के मतदाताओं के साथ - साथ महासभा से पंजीकृत जिला सभा, शाखा सभा, ब्लाक सभा अथवा अन्य कोई भी संस्था, जो पंजीकृत है उन्हें, एक वोट डालने का नियमानुसार अधिकार होगा।

04. यदि कोई मतदाता महासभा की एक से अधिक सदस्यता प्राप्त सदस्य है तो उसे सभी प्रकार की सदस्यता के लिए एक ही मत प्रयोग करने का अधिकार होगा ।

05. प्रदेशसभा हरियाणा में ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद के चुनाव के लिये कुल 26 मतदान केन्द्र बनाये गये है। जिससे लगभग सभी मतदाता सुगमता से मतदान स्थल तक पहुंचकर अधिक से अधिक मतदान कर सके ।

06. मतदान केन्द्रो एवं मतदान स्थलों सहित सभी मतदान अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं बूथ प्रभारियों के साथ-साथ संबंधित क्षैत्रों की सूची भी इसी अंक में प्रकाशित की गई है ।

07. मतदान करने का अधिकार हरियाणा प्रदेश के उन्हीं सम्माननीय सदस्यों को होगा जो दिनांक 02 सितम्बर 2019 सोमवार सायंकाल 5 बजे तक महासभा के स्वर्ण/रजत/प्लेटीनम/विशेष सम्पोषक/सम्पोषक/संरक्षक/महिला एवं पत्रिका रहित सदस्य होंगे । महासभा द्वारा जारी मतदाता सूची अवलोकनार्थ महासभा कार्यालय दिल्ली सहित प्रदेश सभा भवन हरियाणा एवं सभी प्रत्याशियों के पास उपलब्ध है ।

08. विदेशो में रहने वाले सम्मानीय मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग ईमेल, के माध्यम से कर सकेंगे। महासभा की ईमेल पर अपनी आईडी से मतपत्र (स्केन किया हुआ, जो संबंधित मतदाता को जारी किया जायेगा को मताधिकार का प्रयोग कर) भेजा जा सकता है।

09. प्रत्येक मतदाता को अपना मत देने के लिये परिचय पत्र (महासभा द्वारा जारी पहचान पत्र, सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र, पेनकार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, पासपोर्ट, आधार कार्ड अथवा अन्य फोटो युक्त पहचान पत्र) दिखाना अनिवार्य होगा अन्यथा मतदान से वंचित कर दिये जायेंगे।

10. चुनाव संबंधित किसी प्रकार के संशय का निराकरण चुनाव अधिकारी हरियाणा प्रदेश अथवा महासभा कार्यालय से संपर्क करके कर सकते है ।

11. सभी मतदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि वे शांतिपूर्ण एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को बनाये रखते हुए मतदान में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेंवे तथा किसी भी प्रकार से समाज के गौरवमय इतिहास को ठेस ना पहुंचने देवे ।

12. सभी सम्माननीय प्रबुद्धजनों , जिलाध्यक्षों, बूथ प्रभारियों, तहसील एवं शाखा अध्यक्षों से निवेदन है कि वे अपने-अपने क्षैत्रों के मतदान केन्द्रो पर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव करवाने के लिये अपना सहयोग प्रदान करें ।

13. मतदान हेतु सम्माननीय मतदान अधिकारी जहां पर नियुक्त है उसी मतदान केन्द्र पर मतदान कर सकते है साथ ही प्रत्याशियों द्वारा नियुक्त चुनाव अभिकर्ता यदि अपने निर्वाचन क्षैत्र से बाहर तो सूचित कर वही पर मतदान कर सकेंगे ।

14. मतदान केन्द्रों पर मतदान के तुरंत बाद (सायंकाल 5 बजे पश्चात) मतों की गणना कर सभी प्रत्याशियों को अलग अलग प्राप्त वैध मतों, निरस्त एवं टेण्डर मतों का विवरण संबंधित प्रपत्र में अंकन (भरकर) पर्यवेक्षक द्वारा मतदान अधिकारी जिलाध्यक्ष/बूथ प्रभारी/शाखा अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर के साथ- साथ प्रत्याशी/प्रत्याशी प्रतिनिधि एवं चुनाव अभिकर्ता के हस्ताक्षर करवाकर उसी दिन 03 नवम्बर 2019 गुरूवार को रात्रि 9 बजे तक महासभा की ई-मेल (Email- jangid.mahasabha@gmail.com) के माध्यम से महासभा कार्यालय दिल्ली चुनाव अधिकारी हरियाणा प्रदेश को प्रेषित किया जावेगा ।

15. चुनाव अधिकारी हरियाणा प्राप्त सभी परिणामों का संकलन कर दिनांक 03 नवम्बर 2019 गुरूवार रात्रि 10 बजे महासभा कार्यालय दिल्ली से ''प्रदेशाध्यक्ष'' पद का चुनाव परिणाम घोषित करेंगे ।

16. मतदान हेतु बनाये गये सभी मतदान केन्द्रों पर सम्पूर्ण देखरेख संबंधी व्यवस्था सम्माननीय जिलाध्यक्षों /बूथ प्रभारीयों/तहसील/शाखा अध्यक्षों की रहेगी। उनसे यह अपेक्षा की जाती है कि चुनाव शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षता से संपन्न करवाने में सहयोग प्रदान करें ।

17. मतदान केन्द्र परिसर में किसी भी प्रत्याशी के द्वारा कोई भी सहायता केन्द्र अथवा प्रचार सामग्री , टेबल लगाना निषेघ रहेगा।

18. पुनः सभी सम्माननीय मतदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें एवं सामाजिक सौहार्द्र एवं गरिमामयी महासभा इतिहास में और अभिवृद्धि कर शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षता से चुनाव सम्पन्न करवायें ।

सुरेन्द्र कुमार वत्स व लोकेश शर्मा
चुनाव अधिकारी हरियाणा

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट (रजि0)

प्रधान कार्यालयः- जी-249, फेस-6, आया नगर, नई दिल्ली-47
कार्यक्रम स्थान :- पारीक आश्रम ट्रस्ट, अजमेर रोड पुष्कर(राज.)

आदरणीय,

दिनांक :- 13 अक्टूबर रविवार 2019

सदस्यगण,
विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट (रजि0)

सादर सूचित किया जाता है कि अक्टूबर 2019 के दूसरी सप्ताह में ट्रस्ट की आम सभा एवं छात्रवृति समारोह आयोजित किया जा रहा है जिसकी पूर्व सूचना निर्धारित कार्यक्रमानुसार आपको भेज दी जायेगी। अतः आपसे निवेदन है कि आप अपनी जानकारी अनुसार समाज के भी आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृति हेतू अनुमोदित कर प्रोत्साहित करे। आवेदन पत्र में निम्न जानकारी आवश्यक है:-

1. छात्र/छात्राओं का नाम : ....
2. पिता का नाम : ....
3. स्थायी पता : ....
4. मोबाईल नं. : .... 5.परिवार की आय............
6. नियमि अध्यनरत् कोर्स/कक्षा/वर्ष.......................................
7. कॉ..ज/इंस्टीटयूट को बोनाफाइड सर्टिफिकेट संलग्न करना है..............................
8. पिछले वर्ष की परीक्षा की सत्यापित मार्कशीट संलग्न करनी है............................

फोटो

मै नय पूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त समस्त जानकारियाँ रूप से सही है। मुझे छात्रवृति मिले, मै हर हाल में पूरी मेहनत के साथ पढूंगी/पढूंगा और विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के प्रति सैदव निष्टावान रहूँगी/रहूगाँ। समय आने पर ट्रस्ट की सदस्यता भी ग्रहण करूंगी/करूंगा ।

प्रार्थी के हस्ताक्षर

अनुमोदनः- प्रमाणित किया जाता है कि इस छात्र/छात्रा की आर्थिक स्थिति कमजोर है लेकिन मार्कशीट के अनुसार प्रतिभाशाली है। अतः इसे छात्रवृति प्रदान कर अनुग्रहीत करे।

1. ट्रस्टी का नाम...............सदस्यता संख्या..........फोन नं................हस्ताक्षर.............
2. ट्रस्टी का नाम...............सदस्यता संख्या..........फोन नं................हस्ताक्षर.............

आवश्यक सूचना

1. प्रार्थी 12वीं कक्षा से ऊपर किसी भी डिप्लोमा या डिग्री में अध्ययन होना चाहिए ।
2. प्रार्थी के पिछले वर्ष की परीक्षा में प्राप्तांक 80 प्रतिशत में कम नही होने चाहिए ।
3. प्रार्थी किसी भी कॉलेज या संस्थान का नियमित छात्र होना चाहिए ।
4. आवेदन पत्र ट्रस्ट के दो ट्रस्टियो द्वारा अनुमोदित होना अनिवार्य है।
5. चर्यानत छात्र/छात्रओं को छात्रवृति प्राप्त करने हेतु छात्रवृति वितरण समारोह में स्वयं आना होगा ।
6. आवेदन पत्र 5 अक्टूबर 2019 तक ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय : जी-249, फेस.6, आया नगर, नई दिल्ली-47 पर अवश्य पहुँच जाने चाहिए। इसके बाद कोई आवेदन स्वीकार नही किया जायेगा ।
7. किसी भी रूप में अधूरी/गलत जानकारी देने पर आवेदन पत्र निरस्त समझा जायेगा ।

निवेदकः- विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट

कैलाश चन्द जांगिड
अध्यक्ष, 9811487233

प्रेम चन्द जांगिड
कोषाध्यक्ष, 9810072969

अनिल कुमार जांगिड
महासचिव, 9810988553

जांगिड विद्यार्थी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि०)

प्रार्थना-पत्र सत्र वर्ष 2019-20

(आर्थिक सहायता के लिए जिस विद्यार्थी ने +2 में वर्ष 2019 में 80% से ऊपर अंक प्राप्त किए है। व केवल वर्ष 2019 में ही किसी कक्षा/कोर्स में दाखिला लिया है, वे ही आवेदन करें।)

(ट्रस्ट से 2018 में सहायता प्राप्त कर चुके विद्यार्थी जिसने वर्ष 2019 में 80% अंक प्राप्त किये वे भी आवेदन कर सकते है)

1. विद्यार्थी का नाम...2. कक्षा/कोर्स..............................
3. स्थाई पता..
4. पिता का नाम..........................5. व्यवसाय..............................6. सालाना आय..............................
7. पिता/माता यदि नौकरी में है तो पद..............................तनख्वाह प्रति माह..............................
8. संस्था का नाम जहाँ पढ़ रहे है..............................संस्था का दूरभाष नं०..............................
9. पास की गई +2 परीक्षा गत % अंको सहित..

अनुमोदन :– ट्रस्ट के दो आजीवन सदस्य या किन्ही दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा।
मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि विद्यार्थी वास्तव में आर्थिक सहायता का पात्र है।

क्र.सं.	सदस्य/प्रतिष्ठित का नाम	पता	दूरभाष नं०	हस्ताक्षर

मैं शपथपूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि उपरोक्त जानकारियाँ पूर्ण रूप से सत्य है व सही है। इसके लिए मैं जिम्मेवार हूँ। मैं जा०वि० चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रति निष्ठावान रहूँगा/रहूँगी। सक्षम होने पर ट्रस्ट की सदस्यता ग्रहण करूंगा/करूंगी और आर्थिक सहायता करूंगा/करूंगी।

पिता/संरक्षक के हस्ताक्षर
मो० ....

प्रार्थी के हस्ताक्षर
मो० ....

निम्नलिखित दस्तावेज की फोटोप्रति जरूर संलग्न करें :–

1. +2 व पिछली कक्षा की अंक तालिका, 2. जाति प्रमाण पत्र 3. आधार कार्ड 4. दाखिला फीस रसीद, 5. पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, यदि जिन्दा नहीं है। 6. पीला राशन कार्ड यदि है, 7. सैलरी सर्टिफिकेट यदि पिता/माता नौकरी में है।

नियम/शर्तें :–

1. सहायतार्थ विद्यार्थी अपनी कक्षा/कोर्स की छमाही रिपोर्ट देगा।
2. आर्थिक सहायता सत्र 2019 के लिए दी जाएगी।
3. यदि कोई विद्यार्थी संस्था के अध्यापक/ट्रस्ट के पदाधिकारी से दुर्व्यवहार करता है या बुरी संगत/आज्ञा उल्लघंन/चोरी/हेरा–फेरी करता पाया गया तो सहायता तुरन्त प्रभाव से रोक दी जाएगी।
4. ट्रस्ट के किसी प्रकार के मसलो में चेयरमैन/शासकीय निकाय का फैसला अन्तिम व ....में होगा।
5. 90 प्रतिशत से ऊपर अंक विद्यार्थियों एवं किसी क्षेत्र में पदक या ख्याति प्राप्त विद्यार्थियों का विशेष सम्मान किया जायेगा।

चेयरमैन : कृष्ण कुमार आसौदा 9711333006 डिप्टी चेयरमैन : शिवश्याम जांगड़ 9212787487 सचिव : मा. जगदीश शर्मा 9871905322 कोषाध्यक्ष : श्री अरविंद जांगड़ 9818119299

नोट : प्रार्थना पत्र 31–10–2019 तक डाक द्वारा/निजि तौर पर चेयरमैन को प्रेषित कार्यालय पहुंच जाना चाहिये। निर्धारित तिथि के बाद प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होंगें।

कार्यालय : म.नं. 3, गली नं. 3, मुबारक कुंज, निकट दीनदारपुर गाँव, नजफगढ़, नई दिल्ली-43

वार्षिक पारितोषिक व छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन
रविवार दिनांक 17 नवम्बर 2019 को किया जा रहा है।
जिसमें आप सभी जांगिड बंधु सपरिवार व ईष्ट मित्रों सहित सादर आमंत्रित है।
कार्यक्रम स्थलः– पंचायती श्री राम मंदिर नजदीक पुलिस स्टेशन, नजफगढ, नई दिल्ली–110043

जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा मध्यप्रदेश की त्रैमासिक मीटिंग की सूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेशसभा मध्यप्रदेश की कार्यकारिणी की त्रैमासिक मीटिंग (बैठक) रविवार, 03 नवम्बर 2019 को, प्रात: 10:30 बजे से महाँकाल गार्डन, विधुतमण्डल के सामने, सांवेर (सोनकच्छ), जिला देवास, (म.प्र.), में श्री रविशंकरजी शर्मा 'जांगिड' प्रधान अ.भा.जां.ब्रा.म. दिल्ली, श्री कैलाशजी बरनेला अध्यक्ष महासभा भवन निर्माण समिति दिल्ली के मुख्य आतिथि एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रभुदयाल जांगिड शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। अ.भा.जां.ब्रा. महासभा दिल्ली के समस्त पदाधिकारीगण, मध्यप्रदेश प्रदेशसभा के पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्य, मध्यप्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्षों, तहसील अध्यक्षों से निवेदन किया जाता है कि मीटिंग में आपकी उपस्थिति अनिवार्य रूप से अपेक्षित है।कृपया समय पर पधार कर अपने बहुमूल्य विचारों एवं सुझावों से अवगत करा कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में अपना सहयोग दें।

प्रदेशसभा मध्यप्रदेश की मीटिंग के विचारणीय विषय निम्नानुसार होंगे:--

1. इंदौर में संपन्न गत मीटिंग की कार्यवाही का अनुमोदन।
2. जिला सभाओं की प्रगति रिपोर्ट।
3. जिन जिलों के जिला अध्यक्षों का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है उन जिलों के निर्वाचन पर विचार विमर्श।
4. सभी जिलों में तहसील सभा के गठन पर विचार विमर्श।
5. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

संपर्क सूत्र:--

. श्री प्रभुदयाल बरनेला, मो. नं. 9826174822

. श्री दिनेश कारपेन्टर, मो नं. 9827394134

शिवनारायण शर्मा

महामंत्री, प्रादेशिक सभा मध्यप्रदेश

मो.नं. 9993339605

गिरधारीलाल जांगिड निर्विरोध कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष बने

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव रविवार को हुए जिसमें गिरधारीलाल जांगिड़ को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष पद मनोनीत किया गया। बिन्नी मिल रोड स्थित जांगिड़ समाज भवन में आयोजित सभा से पूर्व मंदिर में समाज के आराध्य भगवान विश्वकर्मा की विशेष पूजा एवं आरती की गई। नई दिल्ली से आए चुनाव अधिकारी सीताराम एवं विद्यासागर जांगिड़ ने चुनाव संबंधी जानकारी दी। नव मनोनीत अध्यक्ष ने नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर तेजेश लूंजा,भंवरलाल गुगरिया,पोलाराम जांगिड, रामपाल सुथार, सीताराम, दीपचंद, उदयकिशन, किरताराम आदि रहे।

विद्यासागर जांगिड

वरिष्ठ उप प्रधान महासभा

पितृपक्ष और श्राद्ध संस्कार

हिन्दू धर्म में माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ी पूजा माना गया है । जन्मदाता माता-पिता को मृत्यु-उपरांत लोग विस्मृत न कर दें, इसलिए उनका श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है । श्राद्ध हमारे पूर्वजो के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का एक सनातन और वैदिक संस्कार है ।

हिन्दू धर्म में अनेक रीति-रिवाज, व्रत-त्यौहार व परंपराएं मौजूद हैं । हिंदूओं में जातक के गर्भधारण से लेकर मृत्योपरांत तक अनेक प्रकार के संस्कार किये जाते हैं । अंत्येष्टि को अंतिम संस्कार माना जाता है । लेकिन अंत्येष्टि के पश्चात भी कुछ ऐसे कर्म होते हैं जिन्हें मृतक के संबंधी विशेषकर संतान को करना होता है । श्राद्ध कर्म उन्हीं में से एक है । वैसे तो प्रत्येक मास की अमावस्या तिथि को श्राद्ध कर्म किया जा सकता है । लेकिन भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास की अमावस्या तक पूरा पखवाड़ा श्राद्ध कर्म करने का विधान है । इसलिये अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के इस कर्म को श्राद्ध कहते हैं ।

मान्यता के अनुसार आश्विन कृष्णपक्ष प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है और अपना-अपना भाग लेकर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से वह पित्तरों को प्राप्त होता है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण । इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया । अतः पितृपक्ष में लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं । पितरों को स्मरण करके जल चढाते हैं । निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं ।

भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन कृष्णपक्ष अमावस्या तक के सोलह दिनों में जिस तिथि को माता-पिता का देहांत होता है, उसी तिथि को पितृपक्ष में उनका श्राद्ध किया जाता है । कहते है कि देवपूजा से पहले जातक को अपने पूर्वजों की पूजा करनी चाहिये। पितरों के प्रसन्न होने पर देवता भी प्रसन्न होते हैं। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में जीवित रहते हुए घर के बड़े बुजूर्गों का सम्मान और मृत्योपरांत श्राद्ध कर्म किये जाते हैं। इसके पीछे यह मान्यता भी है कि यदि विधिनुसार पितरों का तर्पण न किया जाये तो उन्हें मुक्ति नहीं मिलती और उनकी आत्मा मृत्युलोक में भटकती रहती है । पितृ पक्ष को मनाने का ज्योतिषीय कारण भी है। ज्योतिषशास्त्र में पितृ दोष काफी अहम माना जाता है। जब जातक सफलता के बिल्कुल नज़दीक पंहुचकर भी सफलता से वंचित होता हो, संतान उत्पत्ति में परेशानियां आ रही हों, धन हानि हो रही हों तो ज्योतिषाचार्य पितृदोष से पीड़ित होने की प्रबल संभावनाएं बताते हैं। इसलिये पितृदोष से मुक्ति के लिये भी पितरों की शांति आवश्यक मानी जाती है ।

वैसे तो प्रत्येक मास की अमावस्या को पितरों की शांति के लिये पिंड दान या श्राद्ध कर्म किये जा सकते हैं लेकिन पितृ पक्ष में श्राद्ध करने का महत्व अधिक माना जाता है । ज्योतिष में नवग्रहों में सूर्य को पिता व चंद्रमा को मां का कारक माना गया है। जिस तरह सूर्य ग्रहण व चंद्र ग्रहण लगने पर कोई भी शुभ कार्य का शुभारंभ मना होता है, वैसे ही पितृ पक्ष में भी माता-पिता, दादा-दादी के श्राद्ध के पक्ष के कारण शुभ कार्य शुरू करने की मनाही रहती है, जैसे-विवाह, मकान या वाहन की खरीदारी इत्यादि।

कहा जाता है कि कौवे व अन्य पक्षियों द्वारा भोजन ग्रहण करने पर ही पितरों को सही मायने में

भोजन प्राप्त होता है, क्योंकि पक्षियों को पितरों का दूत व विशेष रूप से कौवे को उनका प्रतिनिधि माना जाता है। पितृ पक्ष में अपशब्द बोलना, ईर्ष्या करना, क्रोध करना बुरा माना जाता है व इनका त्याग करना ही चाहिए ।प्रत्येक हिंदू गृहस्थ का धर्म है कि वह पितृपक्ष में अपने पितृ के लिए श्राद्ध एवं तर्पण करें तथा अपनी श्रद्धानुसार पितृ के निमित्त दान करें ।इस पक्ष में पितरों का श्राद्ध करने से वे वर्ष भर तृप्त रहते हैं । पितृ पक्ष की पितरों के नाम की धूप देने से मन, शरीर और घर में शांति की स्थापना होती है। रोग और शोक मिट जाते हैं । गृहकलह और आकस्मिक घटना-दुर्घटना नही होती । घर के भीतर व्याप्त सभी तरह की नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकालकर घर का वास्तुदोष मिट जाता है । गृह-नक्षत्रों से होने वाले बुरे असर भी धूप देने से दूर हो जाते हैं । श्राद्ध पक्ष में 16 दिन ही दी जाने वाली धूप से पितृ तृप्त होकर मुक्त हो जाते हैं तथा पितृ दोष का समाधान होकर पितृयज्ञ भी पूर्ण होता है ।

प्रवीण शर्मा, नीमच, उपप्रधान महासभा

जागिंड ब्राह्मण महासभा जिला सभा अजमेर

जागिंड ब्राह्मण जिला सभा अजमेर कार्यालय जागिंड भवन जयपुर रोड केकडी स्वतंत्रता दिवस गुरूवार 15/8/2019 को प्रात 8:30 पर ध्वजारोहण जिलाध्यक्ष श्री बंशीलाल कीजां के कर कमलो से किया गया । इस अवसर पर संरक्षक श्री रामकरण खण्डेलवाल, जिलामंत्री श्री मिठ्ठनलाल सिया, जिला चुनाव प्रभारी श्री जगदीश राजोरा, जिला प्रचार मंत्री श्री नवल किशोर जायलवाल शाखा सभा केकडी अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश कीजां व श्री विश्वकर्मा मन्दीर एवम् जागिंड विकास समिति अध्यक्ष श्री रामरतन कीजां व युवा श्री दिलखुश कींजा सहित अन्य समाज बन्धु उपस्थित रहें। इस उपलक्ष मे सभीने एक दुसरे को मिठाई खिलाकर शुभ कामना दी।जय भारत ,जय श्री विश्वकर्मा।

बन्सीलाल जांगिड, जिलाध्यक्ष जिलासभा अजमेर

ग्रेनाइट की होलो बॉल बनाने वाले दुनिया के अकेले आदमी

पानी पर घूमने वाले मार्बल के फाउंटेन और पानी पर रोटेड होने वाले मार्बल का भारी भरकम होलो बॉल बनाने वाले भागीरथ शर्मा ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई कभी नहीं की लेकिन उनका अनुभव ऐसा है कि शहर के बड़े-बड़े इंजीनियर टेक्निकल समस्याओं को सॉल्व करने के लिए उनकी मदद लेने से नहीं चूकते। उन्होंने बताया कि इस टेक्निक को उन्होंने खुद डवलप किया। इसकी मशीन दुनिया में कहीं नहीं है इसलिए उसका विकास भी उन्होंने खुद ही किया। जिसके जरिए पानी पर घूमने वाला ग्रेनाइट का होलो बॉल दुनिया में बनाने वाला कोई नहीं है। अगर एक बॉल के बराबर का भी फर्क आ जाए तो ये रोटेड नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि ये फाउंटेन फिजिक्स बेस पर बनाए जाते है। उन्होंने बताया पानी पर घूमने वाली पत्थर की रिंग, पिलर, हाइड्रोलिक पावर जेनरेशन जैसे ऑब्जेक्ट भी खास है।

प्रधान महासभा

समाज विकास हेतु हमारे संयुक्त प्रयास आवश्यक है – डीएफओ श्री रमेशचन्द्र विश्वकर्मा

(प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाएं हुई सम्मानित)

शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर यदि हम और ध्यान दें तो समाज का सर्वागीण विकास सुनिश्चित है । समाज विकास हेतु हमारे संयुक्त प्रयास आवश्यक है । शिक्षा के क्षेत्र में हम बेहतर कर रहे हैं । लेकिन बाकी क्षेत्रों में भी और ध्यान देना जरूरी है । प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु ऐसे आयोजन आवश्यक है । उक्त उद्‌गार जिला वन मण्डलाधिकारी नीमच श्री रमेशचन्द्र विश्वकर्मा ने विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण समाज खेड़ी मोहल्ला नीमच सिटी द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये । समाज द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेघावी विद्यार्थीयों को नगद राशि, ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया । प्रतिभा सम्मान समारोह के गरीमामयी मंच पर मुख्य अतिथि डीएफओ श्री रमेशचन्द्र विश्वकर्मा, विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी श्री के.एल. बामनिया, पूर्व शिक्षा अधिकारी श्री के.एल. रतावजिया, जांगिड ब्राह्मण समाज जवाहर नगर नीमच के वरिष्ठ एवं समाजसेवी श्री छोटेलाल शर्मा, अभिभाषक एवं समाज सेवी श्री अजय भटनागर, नई दुनिया समाचार पत्र के ब्युरो चीफ श्री कृष्णा शर्मा सहित समाज अध्यक्ष श्री राजमल शर्मा, सचिव श्री दीनदयाल शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक श्री जगदीशचन्द्र शर्मा विराजित थे । प्रतिभा सम्मान समारोह में हायर सेकेण्डरी परीक्षा के मेघावी विद्यार्थी प्रियल पिता विजय शर्मा को 15 हजार रू., नितेश पिता अभिताभ उछाणा को 10 हजार रू., तथा सेजल पिता मोहन शर्मा को 5 हजार रू. मुख्य अतिथि डीएफओ श्री रमेशचन्द्र विश्वकर्मा के सौजन्य से प्रदान किये गये । इस अवसर पर मेघावी विद्यार्थीयों अनिल उंचेड़, संतोष उंचेड़, पियूष शर्मा, दिनेश शर्मा, सुमीत कुमार, अनुराग शर्मा व कृीति जोगणिया को भी सम्मानित किया गया । समारोह में मुख्य अतिथि डीएफओ श्री रमेशचन्द्र विश्वकर्मा का स्थानांतरण नीमच से गुना होने से उन्हें भावभीनी बिदाई दी गई । मंचासिन अतिथियों द्वारा उन्हें शाल, श्रीफल,पुष्प गुच्छ प्रदान कर तथा साफा बांधकर सम्मानित किया । समाज द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर अभिनन्दन किया गया । महासभा के उपप्रधान श्री नन्दकिशोर शर्मा, उप प्रधान श्री प्रवीण शर्मा, उप प्रधान श्रीमती मंजूला धीर, नीमच जिलाध्यक्ष श्री यशवंत धीर , पूर्व जिलाध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा ने भी श्री रमेशचन्द्र विश्वकर्मा को पुष्प गुच्छ देकर बिदाई दी । कार्यक्रम को मंचासीन अतिथियों ने भी संबोधित किया और विद्यार्थीयों के हित में ऐसे आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री विश्वकर्मा एवं माँ सरस्वती के चित्र पठ पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर हुआ । स्वागत उद्‌बोधन समाज अध्यक्ष श्री राजमल शर्मा ने दिया । कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्‌देश्यों से प्रकाश कार्यक्रम संयोजक श्री जगदीशचन्द्र शर्मा ने डाला । कार्यक्रम का सफल, रचनात्मक एवं मंत्र मुग्ध संचालन महासभा उपप्रधान श्रीमती मंजूला धीर ने किया । आयोजन में नीमच जिले के समाजबंधु, महासभा एवं जिलासभा के पदाधिकारी, जांगिड ब्राम्हण समाज नीमच सिटी एवं जवाहर नगर मंदिर के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, गणमान्य जन एवं पत्रकारबंधु बड़ी संख्या में उपस्थित थे । अंत में सभी के प्रति आभार समाज सचिव श्री दीनदयाल शर्मा ने व्यक्त किया ।

दीनदयाल शर्मा, सचिव

जां.ब्रा.समाज खेड़ी मोहल्ला, नीमच,(म.प्र.)

जां.ब्रा. शाखासभा जोबनेर के अध्यक्ष पद पर श्री नाथूलाल जांगिड कारपेन्टर निर्विरोध निर्वाचित

दिनांक 14.07.2019 को पूर्व निर्धारित अधिसूचनानुसार श्री विश्वकर्मा मन्दिर प्रांगण में जांगिड ब्राह्मण शाखा जोबनेर के अध्यक्ष पद पर चुनाव सम्पन्न हुये।

प्रदेश सभा राजस्थान के आदेशानुसार महासभा के संविधान की पालना करते हुए शाखा सभा जोबनेर पद पर चुनाव हेतु जिलाध्यक्ष जयपुर ने चुनाव कमेटी नियुक्त की गयी। इस कमेटी में श्री गोपाल लाल पाटोदिया मुख्य चुनाव अधिकारी श्री सत्यनारायण जांगिड चुनाव पर्यवेक्षक श्री महावीर प्रसाद जांगिड उप चुनाव अधिकारी समय पूर्व श्री विश्वकर्मा मन्दिर जोबनेर में उपस्थित हुए।

सर्वप्रथम चुनाव अधिकारी ने उपस्थित समाज बन्धुओं के सामने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर एक प्रति श्री विश्वकर्मा मन्दिर जोबनेर के मेन दरवाजे पर चस्मा की और घोषणा की गई जो भी महानुभाव अध्यक्ष पद हेतु आवेदन पत्र भरना चाहे वो प्रातः 11:00 बजे से 1:00 बजे तक निर्धारित शुल्क के साथ समय पर चुनाव कार्यालय में जमा करवा दें। निर्धारित समय पश्चात् प्राप्त आवेदन पत्रों पर किसी प्रकार का विचार नही किया जायेगा। कृप्या समय का पूर्ण ध्यान रखे तदपश्चात समय सीमा में एक ही आवेदन पत्र श्री नाथूलाल जांगिड कारपेन्टर (लोवण्डीवाल) पुत्र स्व. श्री हीरालाल वार्ड न. 4 भूतियों का मोहल्ला जोबनेर ने प्रस्तुत किया। चुनाव अधिकारी ने आवेदन पत्र की जांच करने पर आवेदन पत्र सही पाया गया। एक ही आवेदन पत्र होने के कारण मुख्य चुनाव अधिकारी श्री गोपाल लाल पाटोदिया ने श्री नाथूलाल जांगिड कारपेन्टर को जां. ब्रा. शाखासभा जोबनेर का निर्विरोध निर्वाचित की घोषणा कर श्री नाथूलाल जांगिड को अध्यक्ष पद व गोपनियता की शपथ दिलाकर नियुक्ति पत्र दिया अध्यक्ष की घोषणा के साथ ही उपस्थित महानुभावों द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष की घोषणा का भव्य फूल माला व साफा से स्वागत किया गया।

नव निर्वाचित अध्यक्ष के साथ ही चुनावी टीम का भी फूल माला व साफा बंधवाकर स्वागत किया गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री नाथूलाल जांगिड कारपेन्टर ने उपस्थित सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त कर अपने उद्बोदन में सभी समाज महानुभावों को साथ लेकर समाजहित में ही कार्य करने का आवहान किया पुनः सभी का तहेदिल से आभार धन्यवाद व्यक्त किया।

नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री नाथूलाल जांगिड कारपेन्टर को पूर्ण सहयोग साथ देने की कही, बाद में सभा का समापन किया गया।

गोपाल लाल पाटोदिया
मुख्य चुनाव अधिकारी

जां.ब्रा.शाखासभा फरीदाबाद का 25वां वार्षिक जयन्ती समारोह

ब्रह्मर्षि अंगिरा सी0 सै0 स्कूल एवं जांगिड ब्राह्मण शाखा सभा जवाहर कालोनी फरीदाबाद का 25वां वार्षिक रजत जयंती समारोह बहुत हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के अध्यक्ष श्री डी पी सिंह जांगिड जी M D महालक्ष्मी लौजिसटिक प्रा0 लि0 फरीदाबाद व मुख्य अतिथि श्री शिव नारायण शर्मा पूर्व स्कूल चेयरमैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

धर्म पताका का ध्वजारोहण श्री समुन्दर सिंह जांगिड (CA ग्रीन फील्ड कालोनी फरीदाबाद) ने किया। भोजन भंडारे की व्यवस्था श्री महेश कुमार जांगिड जी (रिटा0 हैड कैशियर हरियाणा रोडवेज बल्लभगढ़) ने की। यज्ञ के ब्रह्मा श्री रामगोपाल शास्त्री जी सिही व यजमान श्री रोहित कुमार सह पत्नीक पुत्र रविकांत शर्मा रहे ।हमेशा की तरह ब्रह्मर्षि अंगिरा सी0 सै 0 स्कूल के छात्रों ने बहुत सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वक्ताओं ने समाज में फैली कुरीतियों जैसे दहेज़ प्रथा, मृत्यु भोज को जड से समाप्त करने तथा बच्चों की शिक्षा व संस्कारों की ओर ध्यान देने के लिए कहा। स्कूल चेयरमैन श्री टेक चन्द जांगिड व शाखा प्रधान श्री लालसिंह जांगिड जी ने सभी कार्यकारिणी सदस्यों के साथ आये हुए सभी अतिथियों का फूल मालाओं व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत अभिनन्दन किया । समाज के प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कृत किया गया। अति विशिष्ट अतिथि श्री रतनलाल शर्मा चेयरमैन SSR group, श्री नारायण दत्त साडीवाले दिल्ली, श्री मोहन चंद शर्मा होडल व श्री हनुमान प्रसाद जांगिड प्रधान जिला जांगिड ब्राह्मण सभा फरीदाबाद मुख्तयार शर्मा उप प्रधान महासभा, भूपसिंह बल्लभगढ़, सुरेश लोइवाल sgm nagar, कैलाश जांगिड फरीदाबाद,सुरेश शर्मा sec 55, धर्म पाल शर्मा डी पी डोर सोम दत्त जांगिड, जितेन्द्र शर्मा, बलबीर शर्मा, अशोक जांगिड, राजेंद्र कुमार, राजवीर जी, वेद प्रकाश शर्मा, रामपाल जी, सतीश जी, जगवीर जी, श्यामसिंह जी, ओमप्रकाश जी, दिनेश जी, रमेश बोंदवाल, सी आर कटारिया, वार्ड 5 की पार्षद श्रीमती ललीता यादव ,ईश्वर आर्य, देवेन्द्र जी, राजू जांगिड, यशपाल नंबरदार, भारत जी, केवल राम जी,जगपाल जी सहित सैकड़ों समाज बंधु उपस्थित हुए ।

श्री ऊधमसिंह शर्मा जी ने कुशलता पूर्वक मंच संचालन किया । भोजन प्रशाद के साथ समारोह संपन्न हुआ ।

टेक चन्द जांगिड

चेयरमैन- ब्रह्मर्षि अंगिरा शिक्षा समिति जवाहर कालोनी, फरीदाबाद

विशेष सूचना

दिनांक 4 अगस्त 2019 को महासभा की त्रैमासिक मींटिग इन्दौर में लिए गये निर्णय के अनुसार महासभा के पत्रिका सदस्यों से निवेदन किया जाता है कि महासभा के जिन सदस्यों को नवम्बर 2019 के बाद जांगिड ब्राह्मण पत्रिका की प्रतिलिपि जिसको चाहिए वे महासभा को निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार अपना लिखित आवेदन करें ताकि उन्हें पात्रिका की प्रतिलिपि भेजी जा सके। बाकी सभी सदस्यों को जांगिड ब्राह्मण पत्रिका सोशल मीडिया जैसे- व्हाटस-अप, फेसबुक, ई-मेल और वेबसाइट आदि पर उपलब्ध कराई जायेगी।

अतः जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के सभी सदस्यों से सादर पुनः निवेदन किया जाता है कि जो सदस्य पत्रिका की प्रतिलिपि मंगवाने के इच्छुक है। वें निम्नलिखित प्रपत्र को पूरा भरकर महासभा कार्यालय 440 हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक दिल्ली-110006 में नवम्बर माह के पहले पहले भेजने की कृपा करें ताकि सभी इच्छुक सदस्यों को पत्रिका भेजी जा सके।

चन्द्रपाल भारद्वाज, महामंत्री महासभा

जांगिड ब्राह्मण पत्रिका की प्रतिलिपि मंगाने हेतू प्रपत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधान जी महोदय

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

महोदय,

मेरा निवेदन कि मै सोशल मीडिया जैसे- व्हाटस-अप, फेसबुक, ई-मेल और वेबसाइट आदि का प्रयोग नही कर पाता। अतः मुझे मेरे निम्न पते पर मेरी जांगिड ब्राह्मण पत्रिका भेजने की कृपा करें।

नाम : ....

पिता का नाम : ....

सदस्यता संख्या : ....

वर्तमान पता : ....

: ....

: ....

मोबाईल नम्बर : ....

सधन्यवाद

हस्ताक्षर.............................

नामः................................

झूंझूनुं जिले की चुनाव सूचना-

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा संविधान के अनुसार झूंझूनुं जिलाध्यक्ष का त्रैवार्षिक कार्यकाल पूर्ण होने जा रहा है। अत: महासभा संविधान के अनुसार झूंझूनुं जिले के अध्यक्ष का चुनाव करवाया जाना अपेक्षित है। अत: झूंझूनुं जिलाध्यक्ष हेतु चुनाव अधिसूचना जारी की जा रही है, जिसका चुनावी कार्यक्रम निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	जिले का नाम	चुनाव अधिसूचना जारी करने की दिनांक	सदस्यता अभियान की अंतिम तिथि	अध्यक्ष पद हेतु नामांकन तिथि	मतदान तिथि	नामांकन स्थान अध्यक्ष पद हेतु
1	झूंझूनुं	16.09.2019	15.10.2019	10.11.2019	24.11.2019	श्री विश्वकर्मा मन्दिर कारूंडिया रोड, मोरारका कॉलेज के पास, झूंझूनुं

नामांकन आवेदन - निर्धारित तिथि को प्रात: 11:00 बजे से 2:00 बजे तक
नामांकन पत्र जांच - निर्धारित तिथि को दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक
नामांकन वापसी - निर्धारित तिथि को दोपहर 3:00 बजे से 5:00 बजे तक
प्रत्यशियों की घोषणा - निर्धारित तिथि को सायं 5:00 बजे
मतदान (आवश्यक हुआ तो)- निर्धारित तिथि को प्रात: 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक
नोट:- मतदान केन्द्रों का निर्धारण नामांकन प्रक्रिया के बाद आवश्यकतानुसार निर्धारण किया जायेगा।
विशेष:-चुनाव अधिसूचना जारी होने से पूर्व तक घोषित झूंझूनुं जिले की किसी भी संस्था के चुनाव यथावत रखते हुए जिलासभा-झूंझूनुं द्वारा सम्पन्न करवायें जा सकेंगें। चुनाव अधिसूचना पत्र जारी होने के पश्चात झूंझूनुं जिले के किसी भी संस्था के चुनाव हेतु अधिसूचना जारी नहीं की जा सकेगी और न ही किसी संस्था के चुनाव व गठन किये जा सकेंगें। तथा जिलासभा झूंझुनुं द्वारा किसी तरह के संस्थानिक निर्णय कार्यक्रम एवं प्रचारिक आयोजन नहीं किये जा सकेंगें। सदस्यता अभियान की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2019 तक रहेगी।

जगदीश धाराणिया
मुख्य चुनाव प्रभारी
प्रदेशसभा-राजस्थान
मो.- 9166405693

उच्च शिक्षा प्राप्त युगल भी क्यों बिछुड़ जाते है?

यह सर्वमान्य सत्य है कि शिक्षा मनुष्य को संस्कारवान बनाती है। अज्ञानता के अन्धकार को हटाकर ज्ञान के आलोक में लाती है। यह भी कहा जाता है कि शिक्षा मनुष्य में उचित व्यवहार परिवर्तन लाती है। फिर भी यह देखने में आया है कई जगह परिणाम विपरीत ही मिलते है। पढ़े लिखे लोग भी ऐसे अपराध कर बैठते है जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। एक सर्वे के अनुसार समाज में तलाक के जितने केस हुए उनमें से उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों के 30 प्रतिशत प्रकरण प्रकाश में आये हैं।

समाज में उच्च प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न विभागों में पदासीन अधिकारियों का चयन कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं एवं विद्ववतजनों के साक्षात्कार से गुजरने के बाद होता है। ऐसे लोगों के सम्बन्ध विच्छेद होते देखे गये है। जिन लोगों पर समाज के प्रशासन, व्यवस्था और विकास कार्यों का भार होता है ऐसे अधिकारियों के एक भी प्रकरण सुनने में आता है तो आश्चर्य होता है। उच्च शिक्षा प्राप्त युवकों की मांग होती है कि मेरा जैसा व्यवसाय शिक्षा, सेवा है उसी के अनुकूल मुझे लड़की मिले। डॉक्टर डॉक्टर लड़की, इंजीनियर इंजीनियर लड़की चाहता है। कुछ युवकों का सम्बन्ध साथ-साथ नौकरी करने से भी हो जाता है। पढ़े लिखे लोगों के सम्बन्ध विशेष कारणों से होते हैं। जो इस प्रकार हैं।

प्रथम कारण तो यह है कि उच्च शिक्षा प्राप्त युवक और युवती के सिद्धान्त भिन्न-भिन्न होते हैं। उनके सिद्धान्त आपस में मेल नहीं खाते है। यदि लड़का नास्तिक है और लड़की घोर आस्तिक है। पूजा पाठ ईश्वर की वन्दना स्तुति करती है तो उनमें टकराव तो अवश्य होगा।

द्वितीय बात यह है कि पति और पत्नी दोनों के स्वभाव एक से मेल खाते होने चाहिए। स्वभाव (Nature) ईश्वर प्रदत गुण है। लड़की सहिष्णु, शान्त और सरल स्वभाव की है और पति क्रोधी, जिद्दी, संवेगशील, अहंकारी स्वभाव का है तो ऐसे युगल का सामंजस्य नहीं बैठता है।रात दिन विद्रोह ही होता है। यदि युगल में दोनों सहिष्णु, विनम्र व्यावहारिक स्वभाव के होंगे तो उनमें अटूट प्रेम होगा।एवं दूसरे के मददगार होंगे। पढ़े लिखे लोगों के खान पान पर भी सम्बन्ध बिगड़ते देख गये हैं। पति शराबी, मांसहारी, नशापत्ता करने वाला हो और पढ़ी लिखी लड़की सात्विक आहार करने वाली सात्विक विचारों की है तो घर में विद्रोह होगा। एक दूसरे के प्रतिघृणा उत्पन्न होगी। सम्बन्ध करते समय इन गोपनीय बातों का पता नहीं लगता है। सम्बन्ध विच्छेद आचार विचार व्यवहार ओर अशिष्ट भाषा के कारण भी होते है। यदि पति मुखर है भाषा पर नियंत्रण नहीं है और अशिष्ट भाषा का प्रयोग करता है तो पत्नी के स्वाभिमान पर आघात होता है। भाषा की मृदुलता बचपन से ही सीखी जाती है। परिवार में यदि लापरवाही होती है तो युवक चोरी छिपे गलत संगत में पड़ जाते है। ऐसे लोगों में सभ्यता कहाँ से आयेगी।

युवक और युवती दोनों स्वाभिमान तो रखते ही है। पति पत्नी अच्छा वेतन भी पाते है यदि किसी कारण अनबन हो जाती है तो पत्नी सोच लेती है कि मैं स्वालम्बी हूँ। मुझे किसी की आधीनता नहीं चाहिए। उनके परिवार विस्तार के वाद सम्बन्ध विच्छेद होता है बच्चों को पाने के लिए मुकदमा चलता है दूसरी और पति भी अपना हक अधिकार बताता है। ऐसे मामले कई जगह हुए है। उच्च अधिकारियों को अच्छा वेतन मिलता है साथ में रिश्वत भी खाते है ऐसे अधिकारी शराबी कब्बाबी हो जाते हैं। यहाँ तक कि दूसरी पत्नी भी रखने लग जाते है। बात का भेद खुलने पर उनमें झगड़ा होता है। सम्बन्ध विच्छेद हो जाता है। ऐसे लोग प्रेमिका पत्नी के प्रेमपाश में अधिक फंसते है। कई तो अपनी पत्नी को भी मरवा देते है। जो लड़कियाँ अधिक पढ़ी लिखी है वे विदेशी कम्पनियों में अच्छे वेतन पर कार्य करती है। वे अपने पति से कम ही प्रेम करती

है। कई तो शादी विदेशों की तरह दूसरी शादी कर लेती है। उच्च शिक्षा प्राप्त युवक की शादी देश में हो जाती है। उच्च वेतन पाने के लिए वे विदेश चले जाते है। वहाँ की चमक दमक देखकर ईसाई लड़की से शादी कर लेते है। उनमें भी अनबन होने पर मुकदमाबाजी होती है। कैसी विडम्बना है कि जिस देश में पत्नी पति को परमेश्वर का रूप मानकर जीवन पर्यन्त अपने सम्बन्धों को निभाती थी आज वे सारे सिद्धान्त समाप्त हो गये।

समाधान– उच्च शिक्षा प्राप्त युवकों और युवतियों का शादी के बाद यह दायित्व और कर्तव्य होता है कि एक दूसरे का सम्मान कर एक दूसरे की भावनाओं को समझे। पत्नी तो अर्द्धांगिनी होती है इसलिए उसकी सम्मति सहयोग लेना चाहिए। जो आदर्श महिलाएं होती है वे गलत रास्ते पर जाने वाले पति को भी सुधार लेती है। शराब खोरी जैसी आदतों को भी छुड़वा देती है। यदि पति क्रोधी, सनकी है तो पत्नी उसके क्रोध को शान्त करने के लिए मृदुल वचनों का प्रयोग करें। कोई क्रोध उत्पन्न करने वाली बात कभी नहीं करनी चाहिए। गृहस्थ जीवन में पत्नी का घर के काम भी करने चाहिए। यदि पत्नी पति पर हावी होती है तो यह भी अनुचित बात है। लोग कहते हैं कि जोड़ा तो भगवान के घर से भेजा हुआ आता है। तो फिर पति, पत्नी में मत मतान्तर क्यों होता है? **समझदारी इसी में है कि पति, पत्नी एक दूसरे का सम्मान कर समायोजन के माध्यम से गृहस्थ की गाड़ी को गतिशील बनावे।** सम्बन्ध विच्छेद होने पर पति पत्नी दोनों पर बदनामी की मुहर लग जाती है। इसलिए पुनर्विवाह होना दुष्कर हो जाता है।

छाजूलाल जांगिड़

घूमचक्कर, नवलगढ़, जिला झुन्झुनूं। मो.– 9461661412

15 अगस्त को झण्डारोहण व तिरंगा यात्रा

श्री विश्वकर्मा जांगिड़ युवा संगठन लाडनूं द्वारा 15 अगस्त 2019 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झण्डारोहण व तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। विश्वकर्मा भवन में मुख्य अतिथि सार्वजनिक निर्माण विभाग लाडनूं में कार्यरत सहायक अभिंयता जितेन्द्र जांगिड़ द्वारा झण्डारोहण व पश्चात सामुहिक राष्ट्रगान किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत अध्यक्ष बंजरग रोलीवाल द्वारा साफा पहना कर किया गया।।

मुख्य अतिथि ने तिरंगा यात्रा को रवाना किया जो स्टेशन रोड़, चार ख़म्मा, सेवग चौक, लेडीज मार्केट, सब्जी मंडी, राहुगेट, बसस्टेण्ड से होते हुए जांगिड़ अतिथि भवन पहुंची। तिरंगा यात्रा में अनेको युवा दुपहिया वाहनों पर हाथों में तिरंगा थामे भारत माता व वन्देमातरम् के उदघोष लगातें हुए चल रहे थे । पुरे नगर नें तिरंगा यात्रा के इस कार्यक्रम को सराहनीय बताया। अतिथि भवन में भी झण्डारोहण व राष्ट्रगान का कार्यक्रम रखा गया।

कार्यकम में मंत्री मुरली झीटांवा, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र किंजा, सचिव गोपाल खलवाणिया, पंकज लदोया, ब्रजेश किजा, अमिचन्द जायलवाल विनोद, नथमल आसलिया, ललित बोदलिया सहित बडी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। समापन पर अल्पाहार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बजरंग जांगिड

अध्यक्ष–श्री विश्वकर्मा जांगिड युवा संगठन, लाडनूं, राज.

भूल सुधार–

प्रियांशु जांगिड सुपुत्र श्री होशियार सिंह जांगिड से.नि. हैड मास्टर मूल निवासी ग्राम सहारनवास तह.व जिला रेवाडी(हरि.)ने आई.आई.टी. दिल्ली में प्रवेश पाकर परिवार व जांगिड समाज का नाम रोशन किया है। पेज न. 49 जांगिड ब्राह्मण पत्रिका अगस्त 2019 में गलती से आई.टी.आई प्रिन्ट हो गया था इसे अब आई.आई.टी. पढ़ा जाये।

सम्पादक

हम समाज हित में चिन्तन, अवश्य करें

हम क्या थे, क्या हो गये और क्या होंगे आगे अभी।
आओ सब मिल बैठकर अब विचारें ये बाते सभी।।

वैसे तो शिल्प समाज में काष्ठ, लोहा, पत्थर, स्वर्णरजत और मिट्टी का कार्य करने वाला हर व्यक्ति समाहित है परन्तु विशुद्ध रूप से काष्ठ कार्य से सम्बन्धित एक बड़े वर्ग को हम शिल्प समाज की श्रेणी में मानते आये है। इस लेख के माध्यम से गांव गांव में और शहरों में रहने वाले जांगिड, सुथार विश्वकर्मा बन्धुओं के विषय में वर्तमान परिदृश्य में बकुछ आवश्यक पहलुओं पर चर्चा की गई है। निश्चित रूप से इक्कीसवीं सदी में हमने प्रगति की है।हमारे रहन सहन, खान पान, शिक्षा सर्विस, आचार विचार और स्वाभीमान में परिवर्तन हुआ है। जागरूकता बढ़ी है। दूर दराज अगम्य सीानों पर निवास करने वाले बन्धओं भी महासभा से जुड़ रहे है। और एक नई पहचान बनी है। अब महिलाएं भी संगठन से जुड़ रही हैं। कुछ एक महिलाओं ने तो समाज में अपनी नई पहचान बनाई है। यह सब देखकर हमें प्रसन्नता होती है। हम स्वावलंबी बनकर राष्ट्र की उन्नति में भागीदार बने रहें है।

यहीं चिंतन का विषय यह है कि हम केवल भौतिक प्रगति को ही अपनी उन्नति समझ, नैतिक मूल्यों को महत्व भूल गये। समाज में शिक्षा का विस्तार हुआ है। सेवा सर्विस के सभी पदों पर समाज बंधु अपना दायित्व बखूबी निभा रहे है। बुद्धि और शक्ल सूरत तो ईश्वर ने अपने समाज को वसीयत में दी है। एक छोटे से समूह में भी जांगिड बन्धु की अलग से पहचान वंशानुगत है तथा यह हमारे लिए प्लस पवाइंट है। परन्तु इतना सब होते हुए भी समाज को जिस मुकाम पद होना चाहिए था। वहीं नहीं पहुंच पाया। आज हम सबके सामने यही एक दक्ष प्रश्न है। एक ऐसा समाज जो विश्व को तकनीक सम्बंधी साम्रगी उपलब्ध कराकर भी सम्मानीय नहीं है। समाज कर वर्तमान स्थिति की तुलना में 60,70 वर्ष पूर्व की तस्वीर कहीं अच्छी लगती है। उस समय के हमारे पूर्वज उस अभाव के कठिन दौर में भी अपना वर्चस्व बनाये हुए थे। शहरों में दुकानदारी तथा गांवों में गुजारे लायक खेती होती थी। हस्तकला दस्तकारी से भी कमाते थे। जंगलों में ठेकेदारी भी करते थे। आपस में प्रेम भाव, मेल मिलाप आत्मीयता तथा भलमनसाहत थी। समाज की पहचान बनाने हेतु जो कार्य वे उस जमाने में कर गये आज सब साधन होने पर भी संगठन को नहीं बना पा रहें। वर्तमान में समाज बन्धुओं की आत्मा उन जैसी शुद्ध नहीं, उतना आत्म बल भी नहीं और उन जैसा ईश्वर पर विश्वास भी नही। हमारी कथनी करनी में अन्तर है। हम दोहरा जीवन जी रहे हैं। अब समाज में ऐसे व्यक्ति नहीं जिनका प्रभाव समाज पर पड़े। केवल पद प्रतिष्ठा चाहिए। यह है कि अब सभी प्रधान है। जब सभी प्रधान होंगे तो प्रधानी करेंगे किस पर ? भाईयों समाज सेवक बनों समाज की सेवा करना अपना कर्त्तव्य समझों। किसी भी सच्चे स्वाभिमानी कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति के पीछे खड़े होकर उसे सहयोग करें। जो भी हम कुछ कर सकते हैं सच्ची निष्ठा से करें।

आज भी समाज में अशिक्षा, दहेज, मृत्युभोज, सम्बंध विच्छेद, अनेक प्रकार के नशे, पाखण्ड, अंध विश्वास, छल, और वास्तविकता को छुपाये रखना, दोहरा जीवन जैसी अनेकों बुराईयां आज समाज में विद्यमान है। एक एक बुराई को हम प्रतिवर्ष अपने अभियान में लेकर उन्मूलन करते तो कुछ एक बुराई कम होती। यह सब कार्य सबको साथ लेकर एक विशेष अभियान चलाकर तथा समाज के श्रेष्ठ बन्धु आगे आकर स्वयं अपना और अपने परिवार का आदर्श प्रस्तुत करें। पहल तो कहीं न कहीं से करनी पड़ेगा। एक सच्चे, ईमानदार और पवित्रात्मा का प्रभाव दूसरों पर अवश्य पड़ेगा है। परन्तु दुर्भाग्य, अब शीर्ष पदों पर जौ बैठे है उनका प्रभाव समाज पर नहीं पड़ रहा। बल्कि उनकी गतिविधियों को देखकर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। काश! समाज से ऐसे व्यक्ति आगे आयें। अपने तप, बल, बुद्धि से समाज को श्रेष्ठ बनावें।

देशराज आर्य
पूर्व प्रधानाचार्य, रेवाड़ी, मो.- 9416337609

''05 सितम्बर शिक्षक दिवस''

भारतीय समाज में प्राचीन काल से ही गुरू का अह्म स्थान है।माता-पिता के बाद दूसरा स्थान शिक्षक (गुरू) को ही दिया गया है। यद्यपि माता पिता बच्चे का पालन पोषण करते है व उसकी आर्थिक आवश्यकताओ की पूर्ति करते है परन्तु जीवन में सफलता एवं प्रगति मार्ग तो गुरू ही दिखाता है। गुरू ही सच्चा ज्ञान एवं उच्च संस्कार देना तो गुरू का ही कार्य है। मानव को शिक्षित की उसे सभ्य नागरिक बनाना भी उसी गुरू का कार्य है। अत: हमारे समाज में गुरू को उच्च स्थान प्राप्त है। गुरू (शिक्षक) उस मोमबती की तरह है जो स्वयं जलकर भी दूसरों को प्रकाश देता है। इसी प्रकार गुरू/शिक्षक भी अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान रूपी प्रकाश फैलाकार शिष्य के जीवन को प्रकाशमान व उज्जवल बना देता है। अत: गुरू को तो कुछ संतों व भक्तों ने भगवान से भी ऊपर का स्थान दिया है। कबीर दास जी कहते है-

''गुरू गोविन्द दोऊ खडे़, काके लागूं पाय।
बलिहारी गुरू आपकी, गोविन्द दिया बताय।।

इस प्रकार प्राचीन समय से ही गुरू को उच्च स्थान दिया गया है तथा भगवान को मिलाने वाला भी बताया गया। गुरू को ही भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया है। शुद्ध बनाकर भगवान तक पहुंचाने में समर्थ है। बिना गुरू के मानव को ज्ञान व शिक्षा प्राप्त नहीं हो सकती है। अत: कहा गया है-

''गुर्रू ब्रह्मा, गुर्रू विष्णु, गुर्रू देवो महेश्वर:।
गुरू साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरूवे नम:।।

इस प्रकार गुरू की महिमा से तो हमारे ग्रन्थ भरे पडे़ है।

05 सितम्बर भारतवर्ष में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।यह दिन हमारें देश के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन है। डॉ. राधाकृष्णन प्रख्यात शिक्षाविद् महानदार्शनिक, भारतीय संस्कृति के सच्चे ज्ञाता एवं बहुमुखी आयामी व्यक्तित्व के महान शिक्षक थे। एक गरीब परिवार में जन्म लेकर भी उन्होंने अपनी शिक्षा एवं बुद्धिमता के बलपर ही देश के सर्वोच्च पद (राष्ट्रपति) के पद को सुशोभित किया। अत: वे शिक्षा को सर्वोपरि स्थान देते थे तथा शिक्षा को ही मानव के कल्याण का मार्ग समझते थे। उनका विचार था कि शिक्षा से ही मानव मस्तिष्क का सदुपयोग किया जा सकता है। मानव में यदि प्रतिभा हो तो कोई बाधा उसकी प्रगति को नही रोक सकती। इस विचार को उन्होंने सिद्ध भी कर दिखाया। उनका कहना था कि शिक्षा से अनेक बुराईयों को मिटाया जा सकता है। वे स्वयं भी एक बेहतरीन योग्य व विद्वान शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध थे। शिक्षा व शिक्षकों को उचित स्थान दिलाने हेतु उन्होंने पुरजोर कोशिश की तथा उनका सम्मान बढ़ानें हेतु ही उन्होंने अपना जन्मदिन शिक्षकों को समर्पित कर दिया। तथा अपना जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाता है। यह उनकी स्वयं की महानता एवं गुरू/शिक्षक की महिमा को दर्शाता है।

इस प्रकार यह दिन शिक्षक एवं गुरू के सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। परन्तु वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में बच्चों के व्यक्तित्व एवं विका की सम्भावना लगातार कम होती जा रही है। इस वर्तमान व्यवस्था में सारा ध्यान अंकों पर ही आधारित है। अत: शिक्षा का व्यावसायी करण हो रहा है। जिससे नैतिक शिक्षा व मूल्यों का ह्रास हो रहा है। हमारे राजनेताओं व शिक्षाविदों को भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि शिक्षा के बल पर ही हमारे देश का स्थान 'विश्वगुरू' के नाम से विख्यात रहा है। इस उपाधि को बनाए रखना अति आवश्यक है।

-मनोहर लाल शर्मा,
गुड़गांव, हरियाणा

श्री विश्वकर्मा मन्दिर में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में भजन संध्या आयोजित

साल के दो महिने सावन और भादवा मास में भगवान शंकर, श्री कृष्ण और लोक देवता बाबा रामदेव के प्रति भक्तों की अटुट आस्था के चलते अनेक उत्सव और धार्मिक आयोजन होते है। इसी उपलक्ष्य में जालोरी गेट बाईजी का तालाब स्थित श्री विश्वकर्मा मन्दिर में श्री विश्वकर्मा जांगिड़ पंचायत और श्री विश्वकर्मा मंदिर कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में श्री पंचायत के अध्यक्ष सत्यनारायण कुलरिया और मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष रामेश्वरलाल हर्षवाल के आतिथ्य में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में भजन संध्या का आयोजन हुआ। मंदिर सचिव रामदयाल धामू ने बताया कि मंदिर को आकर्षक रोशनी से सजाकर देव प्रतिमाओं का विशेष श्रृंगार किया गया। भजन संध्या में भजन गायक पंकज जांगिड, कैलाश जांगिड़, मंजू डागा, मोतीलाल शर्मा, भंवरलाल सलुण, बींजाराम कुलरिया, पारसमल जोपिग और एडवोकेट रामदेव जांगिड ने भगवान श्री कृष्ण के मनमोहक भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर झूमने पर मजबूर कर दिया। मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष गणपतलाल जायलवाल, उपाध्यक्ष गोरधन झीटावा, सहसचिव भेराराम आसदेव, प्रचार मंत्री भीयाराम सलूण सहित गणमान्य अतिथि श्री जांगिड़ पंचायत के सचिव कमल आसदेव, एडवाकेट कन्हैयालाल जांगिड़, एडवोकेट भारतभूषण शर्मा, उद्यमी नरेश दम्मीवाल, विश्वकर्मा जांगिड़ युवा शक्ति के ईश्वर मांकड़, महेश मांकड़, गजेन्द्र बरड़वा, समाज के प्रतिनिधि नरेंद्र सिलग, एन.के. दायमा, खीयाराम भदरेचा, गुलाबप्रसाद बरड़वा, सुरेश दुर्गेशर, बद्रीप्रसाद मांडण, रामस्वरूप जायलवाल, ओमप्रकाश गुगरिया, रामपुत्र शर्मा, सत्यनारायण जायलवाल, समाज बंधुओं और महिलाओं ने भाग लिया। महेन्द्र वुढ़ल, अजयसिंह सोढ़ा, कातिक, अर्जुन सॉखला और मोहित सोढ़ा ने भजनों पर संगीतमय सहयोग दिया। मन्दिर सेवक घनश्याम वैष्णव द्वारा आरती के पश्चात् प्रसाद वितरित किया गया।

रामेश्वरलाल हर्षवाल
अध्यक्ष- श्री विश्वकर्मा मन्दिर कमेटी मो . 9413249761

हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त जांगिड ब्राह्मण समाज बंधुओं को 17 सितम्बर -मंगलवार, 'विश्वकर्मा दिवस' की, 29 सितम्बर रविवार से प्रारम्भ 'शारदीय नवरात्रा' की, 8 अक्टूबर मंगलवार- 'विजयदशमी' की तथा 2 अक्टूबर बुधवार गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं।

-रविशंकर शर्मा 'जांगिड' प्रधान महासभा

मेवाड़ की कला के संदर्भ में जगदीश मंदिर की शिल्प परम्परा एवं मूर्ति शिल्प का अनुसंधान करते हुऐ समीक्षात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इसके निष्कर्ष रूप में निम्नलिखित नवीन एवं महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट हुये है।

1. मेवाड़ सम्बन्धी मूर्तिकला के क्रमिक विकास में शैलीगत निरूपण की विशेषता के आधार पर निष्कर्षत: स्पष्ट है कि अन्य देशों की भाँति मेवाड़ की मूर्तिकला का विकास भी क्रमश: आदिम कला, लोककला, स्वर्ण युगीन शास्त्रीय कला एवं पारंपरिक कला स्वरूपों में हुआ हैं।

2. मूर्ति एवं मंदिर एक दूसरे के पूरक होते हैं और मंदिर की परिसज्जा एवं अलंकारिक सौन्दर्य हेतु अनेकानेक मूर्ति-शिल्पों की रचना की जाती है।

3. मंदिर एक रूप में विश्वविद्यालय है जहाँ अनेक विषयों का समावेश मूर्ति-शिल्प में किया जाता है साथ ही ज्ञान-प्राप्ति हेतु मंदिर एक ग्रंथ है और पूजन के साथ ही ज्ञान का भण्डार हैं।

4. मंदिर समकालीन सामाजिक दार्शनिक, राजनैतिक तथा आर्थिक स्वरूपों को प्रतिबम्बित करने वाला एक दर्पण हैं।

5. मेवाड़ वीर-भूमि के साथ ही धर्म भूमि भी है। यहाँ के मंदिर सर्व-धर्म समन्वय के प्रतीक हैं, जिसकी प्रमाणिकता हेतु जगदीश मंदिर के निर्माण में मुसलमानों का सहयोग एक महत्वपूर्ण तथ्य हैं।

6. कला के क्षेत्र में जगदीश मंदिर का किसी भी रूप में उल्लेख नहीं है। वस्तुत यह उत्तर मध्यकालीन नागर शैली का सर्वश्रेष्ठ पंचायतन विष्णु मंदिर हैं।

7. नागर शैली का प्रचलन दक्षिणी नाग राजाओं द्वारा माना जाता है किन्तु नागर शैली उत्तर भारतीय दैव प्रसाद-शैली है। इसका प्रचलन उत्तरी भारत के नाग शासकों द्वारा किया जाना संभव हैं।

8. देश के अन्यत्र भारतीय शिल्प-स्थापत्य, मूर्तिकला और देव मंदिर निर्माण की परम्परा समाप्त प्राय: हो गई थी। तब मेवाड़ के शिल्पियों, अन्य वर्गो, तथा महाराणा के सहयोग से पुन: भारतीय विद्या एवं महान सांस्कृतिक परम्परा का अभ्युत्थान हुआ। मेवाड़ के इतिहास में प्रत्यक्ष ही इसकी पुष्टि हेतु महाराणा जगतसिंह के शासन काल में निर्मित भव्य मंदीर है।

9. जगदीश मंदिर एक रूप में युद्ध था जो मुगल सम्राट शाहजहाँ के विरूद्ध लड़ा गया और इसमें मेवाड़ की विजय हुई।

10. जगदीश मंदिर निर्माण में शास्त्रीय-विधान को मूर्त रूप में प्रस्तुत किया गया है। जैसे उचित ताल-मान तथा दिशा-निर्धारण आदि।

11. शास्त्रों के आधार पर मण्डप, अन्तराल, शिखर, ध्वजा, तथा संवरणाओं से निर्मित करोट भाग आदि नामकरण करने का यहाँ प्रथम विनम्र प्रयास किया गया हैं।

12. जगदीश मंदिर के गजस्थर, अश्व स्थर, नरस्थर एवं जघा भाग की 1908 सुरक्षित मूर्तियाँ अपने सौन्दर्य और रूपलावण्य की उत्कृष्टता दर्शा रही है। कतिपय विशिष्ट मूर्तियों का शास्त्रीय अध्ययन तथा तत्कालीन निर्देशित रेखा चित्र प्रथम बार प्रस्तुत किया गया हैं।

13. जगदीश मंदिर के मान-चित्र के अध्ययन से सपष्ट हुआ है कि मंदिर के प्रत्येक कोण का निर्माण एक प्रधान शिल्पी की देख-रेख में गया हैं।

14. जगदीश मंदिर के प्रमुख शिल्पी भंगोरा (भारद्धाज गोत्रिय) मुकुन्द जी एवं भूधर जी थे जो महाराणा कुंभा कालीन महान शिल्पज्ञ आचार्य मण्डन जी के वंशज थे। इस परिवार में शिल्प-निर्माण-परम्परा के साथ ही शिल्प निर्माण सम्बन्धी ग्रन्थ रचना का, कार्य भी वंशानुगत चलता रहा है। कतिपय अप्रकाशित ग्रन्थों का विवरण प्रथम बार प्रस्तुत किया जा रहा हैं।

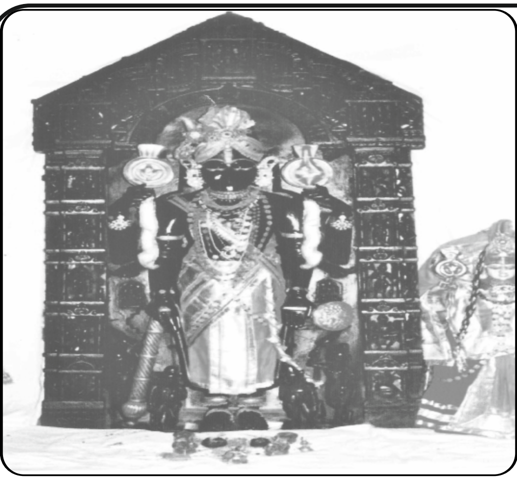

मंदिर में जग्गनाथ जी की मूर्ति (उद.)

जगदीश चौक पर स्थित मंदिर(उद.)

15. उक्त शिल्पी परिवार ने शिल्प-स्थापत्य सम्बन्धी अनेक अविस्मरणीय कार्य किये हैं जैसेः-

(क) भारतीय शिल्पा कला का प्रतिनिधित्व करने वाला सबसे बड़ा स्तंभ-कीर्ति स्तंभ ।

(ख) सबसे बड़ा अपने समय का जैन मंदिर - राणकपुर ,उदयपुर)

(ग) समकालीन सबसे बड़ा नागर शैली का पंचायतन मंदिर-जगदीश मंदिर, उदयपुर ।

(घ) समकालीन सबसे बड़ा दुर्ग- कुभंलगढ़ , राजसंमद ।

(च) यज्ञ वेदियों में सर्वोत्कृष्ठ वेदी- कुंभलगढ़ यज्ञ देवी

(छ) सबसे बड़ी कृत्रिम झील- जयसमुद्र, उदयपुर व राजसमुद्र झील, कांकरोली, द्वारकाधीश

(ज) परिवार के शिल्पी सर्वोंत्ष्टि एवं सर्वाधिक ग्रन्थ कर्ता एवं चित्रकार रहे हैं।

16. मेवाड़ की शिल्प कला एवं मूर्तिकला के संदर्भ में जगदीश मंदिर के विस्तृत अध्ययन से स्पष्टतः यह उद्घाटित छुआ है कि जगदीश मंदिर की पाषणीय बारीकी एवं रहस्मय परिसज्जा सम्बन्धी लक्षण कला मेवाड़ में सत्रहवीं शताब्दी के शिल्पकारों की दक्षता का परिचायक है। साथ ही भारतीय संसेंति को समर्पित अनुपम धरोहर हैं। उदयपुर के महाराणा जगतसिंह जग्गनाथ प्रसाद मंदिर उड़ीसा के अनन्य भक्त थे व प्रतिवर्ष जग्गनाथुपरी दर्शन करने जाते थे लेकिन उम्र बढ़ने के कारण यह संभव नहीं हो सका, महाराणा ने राजमहल में सब दरबारियों व ठाकुरों को आमंत्रित किया और बताया कि मुझे रात्रि में महाप्रभु जी के स्वप्न में दर्शन होते हैं। इस कारण से मेवाड़ उदयपुर में एक विशाल मंदिर का निर्माण होना चाहिये। सभी की सहमति हुई और मंदिर के लिए स्थान चयन किया गया जगदीश चौक में मंदिर बनना तय किया। मंदिर राजभवनों से ऊँचा होना चाहिये - इसलिए मंदिर में जाने के लिए 32 सीढ़िया चढ़कर जाते हैं। जिसका निर्माण भंगौरा भारद्धाज़ गोत्रीय गजधर मुकुन्द भुर्धर व राणा की देखरेख में हुआ।

दूसरी प्रमुख घटना यह रही कि मुगल बादशाह औरंगजेब के सिपाहियों ने मंदिर में बड़ी भारी तोड़ फोड़ की उस समय मंदिर की व्यवस्था में नारूजी बारहट के जिम्में थी नारूजी - निहथे थे जिस खाट पर सोते थे उसे अपने गले में पहन लिया व कई मुंगल सैनिकों को खाट के चारों पायदानों टक्कर मारते हुऐ मार दिया। अन्त में एक सैनिक ने उनकी गर्दन काट दी लेकिन जब तक उनमें शक्ति व जोश था तब तक खाट को घुमाते रहे व अन्त में गिर गये। ऐसे महान यौद्धा का जगदीश मंदिर परिसर के उत्तरी भाग में एक नारू बारहट की छतरी बनी हुई हैं। यह प्रसंग एक यौद्धा की बहादुरी का हैं। **सुभाष पुष्पा भारद्वाज उदयपुर(राज.)**

''धैर्य रखने से मिलती है सफलता''

मनुष्य को जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन कठिनाइयों पर सफलता प्राप्त करने में केवल शक्ति ही काम नहीं आती है बल्कि धैर्य, साहस और संयम की आवश्यकता होती है। एक कहावत है:- ''धीरज, धर्म मित्र अरु नारी,। आफत काल परिखिये अहिं चारी''।। अर्थात कोई विपत्ति आने पर धैर्य, धर्म, मित्र और नारी इन चारों की परीक्षा हो जाती है। धैर्य मनुष्य का परम मित्र है। धैर्य धारण करना मनुष्य का परम कर्त्तव्य है।

कबीर जी ने कहा है:- ''धीरे धीरे रे मना धीरे सब कुछ होय। माली सींचे सौ घड़ा रितु आये फल होय''।। अर्थात मनुष्य को धीरज से काम लेना चाहिए धीरे-धीरे ही सब कुछा होता है माली पेड़-पौधों में सैकड़ो घड़ा पानी डालता है लेकिन उन पर फल मौसम आने पर ही लगते है पहले नही। आज के जमानें में मनुष्य अधीर बन गया है वह हर कार्य का नतीजा झटपट चाहता है। यान्त्रिक साधनों से कुछ हद तक उसे सफलता भी मिली है, लेकिन यन्त्रों पर आधारित होकर उसकी सहन शक्ति कम हो गयी है। जरा सी प्रतिकूल परिस्थितियों में वह धैर्य खौ बैठता है। छोटी छोटी बातों पर अशान्त एवं अधीर हो जाता है। इसी कारण से आज तनाव एवं आत्म हत्याएं बढ़ रहीं है। परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता कम हो रही है। कहा जाता है ''साहसे श्री प्रतिवाति'' अर्थात कामयाबी एवं लक्ष्मी साहसी एवं धैर्यवान पुरुष के साथ ही रहती है। सुभाषितकार कहता है ''उधमं साहस धैर्य बुद्धि: शक्ति: पराक्रम:। षडते यत्र वर्तन्ते तत्र देव: सहायकृत्''।। अर्थात उद्योग, साहस, धैर्य, बुद्धि, शक्ति और पराक्रम- ये छ: गुण जिसके पास होती है उसका भाग्य खुलता है। भगवान श्री कृष्ण ने हताश निराश बने हुए अर्जुन को धैर्य की घुट्टी पिलाकर ही युद्ध के लिए राजी करते है। वास्तव में अर्जुन वीर एवं साहसी था लेकिन मोह-माया के कारण वह शक्तिहीन बना हुआ था भगवन श्री कृष्ण ने उसकों धैर्य का पाठ पढ़ाकर जागृत किया।

''कलैस्यं मा स्म गम: पार्थ नैतत्वय्युपपद्यते।
क्षुद्रं हृदय दौर्बल्यं तय क्तवो त्रिष्ठ परन्तप।।''

उन्होंने कहा- अर्जुन आप नपुंसकता को मत प्राप्त हो, यह तेरे लिए उचित नहीं है, हृदय की दुर्बलता को त्यागकर युद्ध के लिए खड़े हो। व्यक्ति यदि धैर्य एवं इच्छा रखता हो तो उसे रास्ता मिल ही जाता है और रास्ता मिल जाता है तो उसे मंजिल भी मिल जाती है। एक कहावत है:- ''हिम्मत-ऐ-मर्दा मदद-ए-खुदा'' अर्थात हिम्मत रखने वाले व्यक्ति की ही ईश्वर मदद करते है। मनुष्य को ईश्वर प्राप्ति की इच्छा छोड़नी नही चाहिए। जिस प्रकार एक मकोड़े के मुंह में कोई वस्तु आ जाती है तो वो उसको नहीं छोड़ता है चाहे उसे बीच में से खुद को ही क्यों ना टूटना पड़ जाए। इस तरह भक्त को भी ईश्वर की आराधना को, धैर्य, प्रयत्न को छोड़ना नहीं चाहिए। जब तक मनुष्य पूर्ण योग से ईश्वर ध्यान में नहीं लगता ईश्वर की प्राप्ति कठिन है। जैसे जैसे मनुष्य सांसारिक प्रपंचों में फसता जाता है। वह ईश्वर से उतना ही दूर होता चला जाता है। वह ईश्व को याद करना छोड़ देता है मगर जब आपदा आती है तो फिर उसे ईश्वर की याद आ जाती है। राग, द्वेष, काम, क्रोध, मद्य, लोभ परमेश्वर की प्राप्ति में रोड़े बने रहते है। उन्हें हटाने के लिए श्रद्धा, विवेक, लगन और धैर्य की आवश्यकता होती है। मनुष्य का मन हवा की तरह चंचल होता है। मन नरक को स्वर्ग या स्वर्ग का नरक भी कर सकता है। लेकिन कोई बुद्ध जैसा महान व्यक्ति ही मन को जीत सकता है।

एक अंग्रेजी में कहावत है:- “We need a drpp of understanding, Barrel of love, and Ocean of patience” अर्थात चाहे सांसारिक हो या पारभाषिक कोई भी जीवन में हमें एक बूंद समझ की, एक पीपा प्रेम की और सागर जितने धैर्य की आवश्यकता होती है। अर्थात धैर्य ही हमें कामयाबी दिलाता है। इसलिए धैर्य नहीं खोना चाहिए। जल्दबाजी हमेशा हाानिकारक होती है इसलिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। मनुष्य को सदा साहस के साथ-साथ धैर्य का पालन करना चाहिए। सदा धैर्यवान व्यक्ति के ही भाग्य खुलते है। इसलिए सदा धैर्य धारण करना चाहिए।

रोहिताश्व जांगिड

सेवा निवृत अध्यापक, मो.- 7727838999

कविता

‘‘हम रहे ना रहे पर समाज हमारा खुशहाल रहे’’
*एकता ही हो आधार हमारा, हर जांगिड़ दिल में प्यार रहे।
रिस्तो के हो अटूट बंधन, उज्जवल नेह के तार रहे।।

*हर घर सदैव मचले खुशियां, तन मन शुद्ध स्वच्छ शाकाहार रहे।
चेंहकें हर घर निरोगता की बुलबुल, नशा मुक्त उदगार रहे।।

*झरना बहने करुणा का हर दिल, सागर मस्ती का उमड़ पड़े।
पद प्रतिष्ठा और मान सम्मान पर, बारी बारी से हर जांगिड़ हकदार रहे।।

*ज्योति जले सेवा की हर दिल, भावना हो समाज पर सब कुछ अर्पण की।
समाज पर ही सदा हमारा तन मन धन बलिहार रहे।।

*वाणी में मीठास और सजगता हो, अटूट प्रबल विश्वास रहे।
सकारात्मक व्यवहार हो सबसे खुला, इमानदारी के सबके ही व्यापार रहे।।

*आघात ना हो कभी हमारी एकता पर, रक्षक बनो चाहें वो बच्चा, युवा या उम्रदराज हो।
हम रहे ना रहें पर समाज हमारा, सदैव ही खुशहाल रहे।।

एक बनों नेक बनों हर दिल से यही आवाज़ आए हम सब एक है

सम्पादक जे.एच.शर्मा

यह दुनिया, ये जीवन क्या है ?

इस जीवन के चौराहे पर, कितनो से मेल मिलाप हुआ।
कितनो से मिला मजबूरी से, कितनो से अपने आप मिला।।
कितने मिले जिन्हें खुशी मिली, कितनों को सन्ताप मिला।
जिस प्रभु से मिलना था मिल ना सका, इसका पश्चाताप हुआ।।

सज्जनों, आज ग्राम की चौपाल पर हम लोग बैठे चर्चा कर रहे थे कि अनायास प्रसंग छिड़ गया कि यह दुनिया क्या है ? किसी ने कहा - यह दुनिया मुसाफिरखाना है ।हम सब यात्री है। यात्रा में आ-जा रहे है। कब यात्रा की शुरूआत हुई ? इसका पता नहीं । कब यात्रा समाप्त होगी, किसी को पता नहीं ? दूसरे सज्जन बोले-यह दुनिया युद्ध स्थल है। हम सब सैनिक है, दिन-रात लड़ाई हो रही है, हम लड़ रहे है। कभी अन्दर वालो से, कभी बाहर वालो से । इतने में एक तीसरे सज्जन बोले-तुम्हारी दोनों बातें झूठी। यह दुनिया एक नाव है, जिसमें हम बैठे हुए है, हम जा रहे है । जिधर हवा चलती, नाव उधर ही चल देती। इतने में एक बुजुर्ग बोल उठे-देखो भाई, मेरे विचार से यह दुनिया लेन-देन की मण्डी है। यहां सभी को अपने पूर्व जन्मों का, कर्मो का, अकर्म, विकर्म और सुकर्मो का फल भोगना है। हिसाब सबका यहां बराबर होता है। हमारे बीच बैठे नेताजी बोल पड़े- यह दुनिया एक निर्वाचन स्थल है। हरेक वस्तु का यहां निर्वाचन (चुनाव) होता है । राजनीतिक पार्टियों के चुनाव, समाज के प्रधान और मंत्रियों -के चुनाव, लड़के-लड़कियों का चुनाव, सब्जी रोटी क्या बनेगी ? इसका चुनाव। एक सज्जन बोले- मेरी भी सुनेंगे, देखिये आप लोगों ने जो-जो कहा उसमें किसे भी सन्तुष्टी नहीं, नौका को डूबने का डर, युद्धस्थल और निर्वाचन स्थल पर हार-जीत व मौत का डर, हर जगह कुछ न कुछ आफत, चिन्ता लगी हुई है। इतने में एक सज्जन बोल पड़े कल मैं कथा में बैठा था पंडितजी ने इस दुनिया को मृत्युलोक बताया। जन्म-मृत्यु चक्र चहां निरन्तर चलता रहता है। यह दुनिया आनी-जानी है। इनके सुर में सुर मिलाते हुए मैंने भी मौन तोड़ा और कहा देखों आप सब अपनी-अपनी जगह सही हो। इसे दुनिया, जगत, विश्व, संसार, मृत्युलोक, कुछ भी कहलो । हाँ, यह सत्य है यह दुनिया चलायमान है, अस्थिर है, है तो सत्य, लेकिन हमेशा रहने वाला नहीं । यह चल रही है दुनियां, सूर्य चल रहा, ये जमीन चल रही है, चन्द्रमा चल रहा । सारे नक्षत्र चल रहे, यह जितना संसार बना हुआ है । गतिशील है । एक ही चीज स्थिर है वह है परमात्मा, ईश्वर जो सबको गति दे रहा है। राम, कृष्ण, रावण, कंस, दुर्योधन, भीम, अर्जुन सब हुए है, वे भी अपना - अपना वर्चस्व बना चले गये। कुछेक को हम आज भी याद करते, जन्मदिन मनाते है। इस चलायमान संसार में केवल व्यक्ति के कर्मों से वह अमरता पा जाता है । एक बड़ा सुन्दर वेद मंत्र है।

अश्वत्थे वो निषदनं पर्णे वो वसततिकृष्ता,गोभाज इत्किलासथ यत सनवथ पुरूषम दुनिया क्या बनी ? अश्वत्थ- नदी किनारे का रूखड़ा (पेड़) आया पानी का रेला और बहाकर ले गया। ऐसी तो है ये दुनिया, दुनिया में हमारा निवास किसके समान है। पर्णे वो वसत्तिंष्ता-पेड़ में जैसे पत्ता लगा होता है ऐसा ही हमारा क्षणभंगुर शरीर है। तोते ने चोंच मारी तो गिर पड़ा, तेज हवा का झोका आया तो गिर पड़ा, ऐसा यह क्षण भंगुर शरीर है।

क्षणभंगुर जीवन की कलिका, को जाने प्रातः काल खिली न खिली।
मलयाचल सेवित शीतल मन्द सुगन्ध समीर प्रातः को चली न चली।
कर काल कुठार लिए फिरता, तन नम्र से चोट झिली न झिली।
ऐरी रसना जपले हरिनाम तू अन्त समय को हिली न हिली।

यह दुनिया परमात्मा की अनमोल कारागरी है। हम उसके कला के नमूने, खिलौने तथा उसका ही एक स्वरूप है । जो जीवन हमें मिला उसे कैसे जीए ? संसार वाले जीवन को भी कई नजरिए से देखते है । जीवन को भी कई रूपों में बताया है। कोई कहता है * जीवन एक दीप है- जलाये रखिए। कोई कहता * जीवन एक वरदान है-स्वीकार कीजिए। कोई कहता * जीवन एक सागर है-पार कीजिए। * जीवन एक स्वप्न है-साकार किजीए। *जीवन एक ग्रन्थ है-उसे पढ़िये । *जीवन एक खेल है-लगन से खेलिये । *जीवन एक वादा है-निभाइये । *जीवन एक गीत है-श्रद्धा से गाईये । *जीवन एक आकार है-सदुपयोग कीजिए। *जीवन एक रहस्य है-धैर्य से खोलिये । *जीवन एक प्रेम है-प्रेम करिये । *जीवन एक सौन्दर्य है-सुरक्षित रखिये । *जीवन एक पहेली है-बुझिये । *जीवन एक संग्राम है-तैयार रहिये। *जीवन एक उलझन है-सुलझाइये । *जीवन एक कर्त्तव्य है-निभाइये । *जीवन एक दर्शन है-समझिये । *जीवन एक ऋण है- चुकाईये । *जीवन एक पुष्प है- सुगन्ध फैलाइये । जीवन एक नौका है-पार करिये । *जीवन एक संदेश है- स्मरण कीजिए । *जीवन सीमित है-इसे न भूलिये। हमारा जीवन क्या है ? आप स्वयं इसका उत्तर सखत्रोजे । जीवन क्यों मिला ? यह भी विचार करे और जीवन जिये।

अन्त में इतना ही कहना चाहूंगा कि हमें इस मानव जीवन में माधुर्य सौर सौन्दर्य पैदा करना जीवन जीना है। जिन्दगी में पीड़ा भी होगी, दुःख भी होगा, वियोग भी जन्मेगा, घाटा भी पड़ेगा, शरीर भी बिगड़ेगा लेकिन हर अवस्था में आनन्द से रहते हुए ईश्वर इच्छा मानकर जिये। प्रभु से कहे-

राजी रखे तू हमको, या धड़ से सर उतारे।
कहता है भक्त प्रेमी, तुमको यही पुकारे।
राजी हे हम उसी में, जिसमें तेरी रजा है।
यां यूँ भी वाहवा है, या वूँ भी वाहवा है।

आज की चौपाल का यह सत्संग बहुत अच्छा रहा । भगवान विश्वकर्मा जी की जय

मदनलाल भदरेचा
उपप्रधान , महासभा
जिला इन्दौर, म.प्र.
मो.नं. 9425350746, 9754773338

भगवान विश्वकर्मा और उनका जीवन परिचय

हम अपने प्राचीन ग्रन्थों उपनिषद एवं पुराणा आदि का अवलोकना करें तो पायेंगे कि आदि काल से ही विश्वकर्मा शिल्पी अपने विशिष्ट ज्ञान एवं विज्ञान के कारण ही न मात्र मानवों अपितु देवगणों द्वारा भी पूजित और वंदित है। भगवान विश्वकर्मा के अविष्कार एवं निर्माण कार्यो के सन्दर्भ में इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरूणपुरी, कुवेरपुरी, पाण्डव पुरी, सुदामापुरी, द्वारका पुरी, शिव मण्डलपुरी आदि का निर्माण इनके द्वारा किया गया है। पुष्पक विमान का निर्माण तथा सभी देवों के भवन और इनकें दैनिक उपयोगी होने वाली वस्तुएं भी इनके द्वारा ही बनाई गयी है। कर्ण का कुण्डल, विष्णु भगवान का सुदर्शन चक्र, शंकर भगवान का त्रिशुल और यमराज का कालदण्ड इत्यादि वस्तुओं का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने ही किया है।

भगवान विश्वकर्मा ने ब्रह्माजी की उत्पति करके उन्हें प्राणीमात्र का सृजन करने का वरदान दिया। और उनके द्वारा 84 लाख योनियों को उत्पन्न किया। श्री विष्णु भगवान की उत्पति कर उन्हें जगत में उत्पन्न सभी प्राणियों की रक्षा और भरण पोषण का कार्य सौंप दिया। प्रजा का ठीक सुचारू रूप से पालन और हुकुमत करने के लिए एक अत्यन्त शक्तिशाली तीव्रगामी सुदर्शन चक्र प्रदान किया। बाद में संसार के प्रलय के लिए एक अत्यन्त दयालु बाबा भोलेनाथ श्री शंकर भगवान की उत्पति की। उन्हें डमरू, कमण्डल, त्रिशुल आदि प्रदान कर उनके ललाट पर प्रलयकारी तीसरा नेत्र भी प्रदान कर उन्हें प्रलय की शक्ति देकर शक्तिशाली बनाया। यथानुसार इनके साथ इनकी देवियां खजानें की अधिपति माँ लक्ष्मी राग-रागिनीवाली वीणा वादिनी माँ गौरी को देकर देवों का सुशोभित किया।

हमारे धर्मशास्त्रों और ग्रन्थों में विश्वकर्मा के पांच स्वरूपों और अवतारों का वर्णन प्राप्त होता है।

देव गुरू बृहस्पति की भगिनी भुवना के पुत्र भौवन विश्वकर्मा की वंश परम्परा अत्यन्त वृद्ध है। सृष्टि की वृद्धि करने हेतु भगवान पंचमुख विश्वकर्मा के सघोजात नाम वाले पूर्व मुख से सानग, दूसरे वामदेव नामक दक्षिण मुख से सनातन, अघोर नामक पशिचम मुख से अहिंमून, चौथ तत्पुरुष नाम वाले उत्तर मुख से प्रत्न और पांचवे ईशान नामक मध्य भाग वाले मुख से सुपर्णा की उत्पति शास्त्रों में वर्णित है। इन्हीं सानग, सनातम, अहमून, प्रयत्न और सुपर्णा नामक पांच गोत्र प्रवर्तक ऋषियों से प्रत्येक के पच्चीस पच्चीस सन्तानें उत्पन्न हुई जिससे विशाल विश्वकर्मा समाज का विस्तार हुआ है। शिल्प शास्त्रों के प्रणेता बने स्वयं भगवान विश्वकर्मा जो ऋषि रूप में उपरोक्त सभी ज्ञानों का भण्डार है, शिल्पों के आचार्य शिल्पी प्रजापति ने पदार्थ के धार पर शिल्प विज्ञान को पाँच प्रमुख धाराओं में विभाजित करते हुए तथा मानव समाज को इनके ज्ञान से लाभान्वित करने के निर्मित पांच प्रमुख शिल्पाचार्य पुत्रों को उत्पन्न किया जो अयस, काष्ठ, ताम्र शिलाा एवं शिल्प के अधिष्ठाता मनु, मय, त्वष्ठा, शिल्पी एवं दैवज्ञ के रूप में जाने गये। ये सभी ऋषि वेदों में पारंगत थे।

स्कन्द पुराण के नागर खण्ड में भगवान विश्वकर्मा के वंशजों की चर्चा की गई है। ब्रह्मस्वरूप विराट श्री विश्वकर्मा पंचमुखी है। उनके पांच मुख है। ऋषियों के मंत्रों द्वारा उनके नाम है- मनु, मय, त्वष्ठा,शिल्पी और देवज्ञ।

1. ऋषि विश्वकर्मा- ये सानग गोत्र के कहे जाते है। ये लोहे के कर्म के उद्धगाता है। इनके वंशज लोहाकार के रूप में जाने जाते है।

2. ऋषि मय विश्वकर्मा- ये सनातन गोत्र के कहे जाते है। ये काष्ठ के कर्म के उद्धगाता है। इनके वंशज काष्ठकार के रूप में जाने जाते है।

3. ऋषि त्वष्ठा विश्वकर्मा– ये अहंमून गोत्र के कहे जाते है। इनके वंशज ताम्रक के रूप में जाने जाते है।

4. ऋषि शिल्पी विश्वकर्मा– इनका गोत्र प्रयत्न है। ये प्रयत्न गोत्र के कहे जाते है। इनके वंशज शिल्प कला के अधिष्ठाता है और इनके वंशज मूर्तिकार भी कहे जाते है।

5. ऋषि देवज्ञ विश्वकर्मा– इनको गोत्र सुपर्ण है। इनके वंशज स्वर्णकार के रूप में जाने जाते है। ये रजत, स्वर्ण धातु के शिल्पकर्म करते है।

परमेश्वर विश्वकर्मा के ये पांच पुत्र मनु, मय, त्वष्ठा, शिल्पी और देवज्ञ शस्त्रादिक संसार का निर्माण करते है। लोकहित के लिए अनेकानेक पदार्थ को उत्पन्न करने वाले तथा घर, मंदिर एवं भवन, मूर्तियों आदि का बनाने वाले तथा अलंकारों की रचना करने वाले है। इनकी सारी रचनायें लोक हितकारणी है। इसलिए ये पांचों एवं वन्दनीय ब्राह्मण है और यज्ञ कर्म करने वाले है। इनके बिना कोई यज्ञ नहीं हो सकता है।

1. मनुऋषि भगवान विश्वकर्मा के सबसे बड़े पुत्र थे। इनका विवाह अंगिरस की कन्या कंचना के साथ हुआ। इन्होंने मानव सृष्टि का निर्माण किया है।
2. मयऋषि द्वितीय पुत्र थे इनका विवाह पारासर ऋषि की कन्या सौम्या देवी के साथ हुआ था इन्होंने इन्द्रजाल सृष्टि की रचना किया है।
3. महर्षि त्वष्ठा तीसरे पुत्र थे। इनका विवाह कौशिक मुनी की कन्या जयन्ती के साथ हुआ था। ये देवताओं में पूजित ऋषि थे।
4. भगवान विश्वकर्मा के चौथे पुत्र शिल्पी थे। इनका विवाह भृगु ऋषि की पुत्री करूणा के साथ हआ था। इनकी कलाओं का वर्णन मानव जाति क्या देवगण भी नहीं करवायें।
5. भगवान विश्वकर्मा के पांचवे पुत्र महर्षि देवज्ञ थे। इनका विवाह जैमिनी ऋषि की कन्या चन्द्रिका के साथ हुआ था।

इन पांच पुत्रों के छीनी, हथौड़ी और अपनी ऊँगलियों से निर्मित कलायें दर्शकों को चकित कर देती है। उन्हांने अपने वंशजों को कार्य सौंप कर अपनी कलाओं को सारे संसार में फैलाया और आदि युग से आज तक अपने-अपने कार्य को संभालते चले आ रहें है।

विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में मान्य है, किन्तु उनका पौराणिक स्वरूप अलग प्रतीत होता है। आरंभिक काल से ही विश्वकर्मा के प्रति सम्मान का भाव रहा है। उनको गृहस्थ जैसी संस्था के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक कहा माना गया है।

सूर्य की मानव जीवन संहारक रश्मियों का संहार भी विश्वकर्मा ने ही किया। विश्वकर्मा कंबा सूत्र जलपात्र, पुस्तक और ज्ञान सूत्र धारक है। हंस पर आरूढ़ सर्वदृष्टिधारक, शुभ मुकुट और वृद्धकाय है।

श्लोक..

कंबा सुत्राम्बुपात्रं वहति कर तले पुस्तकं ज्ञान सूभभ।
हंसारूढ़स्विनेत्र शुभमुकुट शिरः सर्वर्तो वृद्धकायः।।

अतः उनका अष्टगंधादि से पूजन करना लाभदयाक है।

रामगोपाल जांगिड,
पी.जी.कॉलेज के पीछे, आनन्द कॉलोनी-दौसा

समाज बंधुओं से विनम्र अपील...

आदरणीय समाज बंधुओं,

सादर नमन,

जैसा कि आप सभी को विदित है कि समाज एक लंबे समय से एक भव्य महासभा भवन का सपना देखता आया है जो उन सभी की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतर सके जो अभी महासभा से जुड़े हुये हैं।

आप सभी इस तथ्य से भली भांति परिचित हैं कि समाज की पहचान और प्रतिष्ठा के लिये देश की राजधानी में एक भव्य भवन होना नितांत आवश्यक है जो जांगिड़ समाज के वर्तमान सामाजिक स्तर को दर्शाने के साथ साथ समाज के हर छोटे बड़े सदस्य को गर्व की अनुभूति करवाने में सक्षम हो।

महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाश चन्द्र शर्मा जी के सराहनीय प्रयासों का प्रतिफल है कि आज महासभा के पास 450 + 450 वर्ग गज अर्थात 900 वर्गगज की रजिस्ट्री हो चुकी है। जिसके लिए हम उन सभी दानदाताओं का हार्दिक अभिनन्दन एवं आभार व्यक्त करते है जिनकी पुण्य कमाई के दान–अनुदान से ये जमीन खरीदी गई है। आशा है कि आगे भी इस महासभा भवन/छात्रावास के निर्माण में आप सब का भरपूर सहयोग मिलेगा।

हम सभी को पूर्ण विश्वास है कि जिन महानुभावों ने महासभा भवन के लिये दान देकर धन मुहैया कराने की घोषणा की थी वो तो निश्चित रूप से आगे बढ़ कर न सिर्फ अपने वचन की लाज रखेंगे बल्कि अतिरिक्त दान देने में भी पीछे नहीं हटेंगे, साथ ही साथ अन्य दानदाताओं से भी धन उपलब्ध हो सकता है जो कि पिछली मीटिंगों में किसी कारण से शामिल नहीं हो सके थे या घोषणा नहीं कर पाये थे।

समय की एक और माँग है कि समाज का आम जन महासभा के इस महायज्ञ में अपनी यथाशक्ति आहुति डाले ताकि सभी इस महासभा भवन से जुड़ाव और लगाव और अपना योगदान महसूस कर गर्वान्वित हो सकें।

जब तक समाज के आम जन अपनी नेक कमाई से अपनी खुद की सामर्थ्य के अनुसार 501, 1100, 2100, 3100, 5100, 11000, 21000, 31000, 51,000, 101000, 151000, 201000, 251000 जैसी दान राशि उपलब्ध नहीं करायेंगे तब तक शायद महासभा भवन में अपने योगदान का गर्व महसूस नहीं कर सकेगें अतः छोटे से छोटे योगदानकर्ता का भी आगे बढ़कर योगदान करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बात धनराशि के छोटे या बड़े होने की नहीं है बात ये है कि समाज के हर वर्ग को इस बात का गर्व करने का मौका मिलना चाहिये कि वो कह सकें कि उनका भी योगदान महासभा भवन में लगा हुआ है अतः आप सभी से विनम्र अनुरोध है कि महासभा भवन के लिये दिल खोल कर छोटे से छोटा और बड़े से बड़ा योगदान यथासंभव देने की कोशिश अवश्य करें क्योंकि ये एक असाधारण मौका है जो कि आप सभी के सामने बहुत समय के बाद आया है।

आप सभी की ये छोटी छोटी और बड़ी बड़ी आहुतियाँ एक भव्य भवन में आपके योगदान की निशानी बन आपके आने वाली पीढ़ियों को गर्व कराने के लिये एक मिसाल बनेंगी और समाज के विकास को एक नई गति और दिशा मिल सकेगी। अगर आप सभी का सहयोग मिला तो ये लक्ष्य अवश्य हासिल होगा और आगे भी समाज में सहयोग राशि से ही और बड़े बड़े कार्य संभव हो सकेंगे।

भवन निर्माण के लिये धन आना शुरू हो चुका है केवल इसमें तेजी लाने की आवश्यकता है ताकि इस कार्य को जल्द ही साकार रूप दिया जा सके। समाज के एक एक जन से विनती है कि समाज के व्यापक हित में आगे आयें और यथासम्भव योगदान इस महान लक्ष्य की प्राप्ति में अवश्य ही करें।

जय श्री विश्वकर्मा!

–पूर्व प्रधान कैलाश चन्द्र शर्मा
चेयरमैन–प्रस्तावित महासभा भवन

–रविशंकर शर्मा ''जांगिड''
प्रधान महासभा, 09414110627

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

मुकेश जांगिड सुपुत्र श्री मदनलाल जांगिड प्रधान श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट बगरू जयपुर (राज.) ने सी.ए. फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की है। परीक्षा परिणाम दिनांक 13 अगस्त 2019 को निकला है। इस सफलता पर मुकेश जांगिड को हार्दिक शुभकामनाएं।

आपकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके के उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सम्पादक

कु. प्रशा मोहन जांगिड सुपुत्री श्रीमती ममता शर्मा एवं बृजमोहन शर्मा निवासी 667, चन्द्रलोक 100 फुटा रोड दिल्ली ने वर्ष 2018-19 में दसवी कक्षा (सी.बी.एस.ई.) बोर्ड से 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करक उत्तीर्ण की है। अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरूजनों को दिया है।

शुरू से ही कृ. प्रशा मोहन मेधावी छात्रा रही है। आपकी इस सफलता से समस्त परिवारजन गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके उज्जवल भविष्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है।

सम्पादक

युवराज जांगिड सुपुत्र श्रीमती लक्ष्मी देवी एवं श्री दौलत चन्द शर्मा निवासी काराडिया मिनरलस एंड हैण्डी क्राफ्ट कैमला वाया श्री महावीर जी जिला करौली (राज.) ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की उच्च माध्यमिक परीक्षा 2019 में 84.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है।

आपकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सम्पादक

जांगिड समाज मनाणा (मकराना) का रामदेव जांगिड पुत्र श्री चेलाराम जी जांगिड ने कक्षा 10वीं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से राजस्थान में 80. प्रतिशत अंक प्राप्त कर जांगिड समाज का नाम रोशन किया इस उपलब्धि की खुशी में जांगिड समाज ग्राम थाटा (डेगाना) के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने रामदेव जागिड को शुभकामनाएं व आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। आपकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सम्पादक

जांगिड ब्राह्मण समाज की होनहार प्रतिभाएं

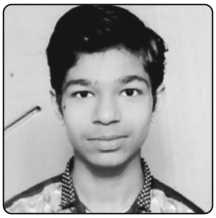

गोविन्द सुपुत्र श्रीमती संतोष देवी एव श्री सतीश निवासी भैसरू खुर्द रोहतक(हरि.) ने केन्द्रिय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा 2019 की सैकेण्डरी परीक्षा में 93.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है। आपकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

कु. रीतु देवी सुपुत्री श्रीमती गीता देवी एवं श्री राजवीर सिंह निवासी पिललू खेड़ा गोहना रोड़ ग्राम भाग खेड़ा, जीन्द (हरि.) ने हरियाणा शिक्षा बोर्ड 2019 की वरिष्ठ माध्यमिक परीक्षा में श्रेणी अंक औसत GPA-Grad 09.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की है। आपकी इस सफलता से परिवार जन ही नहीं अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा आपके उज्जवल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना करती है।

सुल्तान आर्य जांगिड, उप प्रधान महासभा, जीन्द

मोहिनी जांगिड निवासी शामली जिला सोनीपत ने विश्व पुलिस गेम चाईना 2019 में कुश्ती प्रतियोगिता में सिल्वर मैडल जीतकर देश व समाज का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर प्रदेश सभा हरियाणा ने इन्हे खेल रत्न की उपाधि से गुड़गाव की त्रैमासिक मीटिंग में सम्मानित किया गया। मोहिनी जांगिड हरियाणा पुलिस में कार्यरत है।

डॉ. शेरसिंह जांगडा, प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा

श्री वीरेंद्र सिंह जांगिड़ निवासी कैमला जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा जो कैमरा गांव ग्राम में मुख्य अध्यापक के रूप में कार्यरत आज दिनांक 5 सितंबर 2019 को आदरणीय राज्यपाल हरियाणा वह हरियाणा सरकार द्वारा सबसे अच्छा अध्यापक स्टेट टीचर अवार्ड से सम्मानित किया गया है हम इनको पूरे हरियाणा प्रदेश की तरफ से बधाई देते हैं। आदरणीय श्री वीरेंद्र सिंह ने जांगिड़ समाज के उत्थान के लिए योगदान पिछले काफी वर्षो से दे रहे हैं और कार्यरत है। प्रदेशसभा में इनको प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है इनकी कार्य शैली हमेशा सकारात्मक सोच की होती है। यह एक डायनेमिक पर्सनैलिटी वाले शिक्षक है। इसके साथ साथ अध्यापिका श्रीमती प्रोमिला जांगिड़ जो गांव गुड़ा जिला महेंद्रगढ़ की रहने वाली उनको भी स्टेट टीचर के अवार्ड से नवाजा गया है। उनको भी प्रदेश की तरफ से बहुत-बहुत बधाई। यह दोनों हमारे समाज के गौरव हैं जिन्होंने समाज का नाम रोशन किया है भगवान इनकी सेहत ठीक रखें और इनको चहुमुखी विकास प्रदान करें ।

डॉ. शेरसिंह जांगडा, प्रदेशाध्यक्ष हरियाणा

रोहन गोपाल जांगिड सुपुत्र श्रीमती मृनलिनी जांगिड एवं श्री गोपाल जांगिड सुपौत्र श्री बी.एल.जांगिड, निवासी अजमेर ने सी.बी.एस.ई. की मार्च 2019 की परीक्षा में 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की है। उनकी इस सफलता से परिवार जन ही नही अपितु पूरा जांगिड समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

महासभा इनके उज्जवल भविष्य, दीर्घायु एवं सुखद जीवन की कामना करती है

बी.एल.जांगिड.एडवोकेट-अजमेर

सुनील कुमार बरवाडिया तारानगर वार्ड न0 - 2 पिता श्री आशाराम सुपुत्र श्री परसाराम बरवाडिया तारानगर चूरू जन्म दिनांक 10-07-1995 (अविवाहित) नियुक्ति दिनांक 26-08-2019 रेंक 312 रेलवे में इंजिनियरिंग डिपार्टमेंट में नियुक्ति स्थान - चूरू से राजगढ के बीच गांव आसलू रेलवे स्टेशन पर नियुक्त किया गया है रेलवे विभाग में जांइनिंग करने पर सफल भविष्य के लिए सभी बन्धुओं एवं मित्रगणों की ओर से आभार।

महासभा व जांगिड ब्राह्मण समाज की तरफ से सुनील कुमार बरवाडिया को बहुत-बहुत बधाई।

मास्टर मनीराम मोटियार बुचावास

''जांगिड छात्रवास फलौंदी के अध्यक्ष श्री हजारीमल कुलरिया बने''

फलौदी के 2 वर्षीय चुनाव मे श्री हजारीमल कुलरिया सर्वसहमति से अध्यक्ष मनोनीत किये गए। जांगिड़ सुथार छात्रवास फलौदी में अध्यक्ष ने अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया। उपाध्यक्ष में गोर्धन नागल ,सचिव हुकमाराम कुलरिया, कोषाध्यक्ष मोहनलाल आसदेव, अंकेक्षण अधिकारी माणक लाल सुथार, मनोनीत किये। मुख्य चुनाव अधिकारी श्री पन्नालाल मोखा, व लूणकरण जोपिंग ने चुनाव सम्पन करवाये।

तहसील के समाज के गणमान्यजन श्री मोतीलाल डोयल, हस्तीमल डोयल, नारायण डोयल, मदनलाल आसदेव, जोगराज डोयल, सूरज डोयल, जेठमल आसदेव, दिलीप नागल, माणकलाल सूबेदार ,घेवरराम सुथार,भीकमचंद सुथार,नथमल आसदेव,मुनाराम बरजासर, निवर्तमान अध्यक्ष श्री हीरालाल आसदेव,नेमीचंद सुथार,श्रवण कुमार सुथार,पेमाराम सलून,रावलराम कुलारिया और भी गणमान्य समाज बंधु,उपस्थित थे। चुनाव सम्पन्न के बाद सभी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की,

भगवान विश्वकर्मा जी की आरती व प्रसादी का आयोजन के बाद एक आम सभा रखी गई। सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को सहयोग करने के लिए वचनबद्ध सहयोग करने का आश्वासन दिया।

जय विश्वकर्मा जय अङ्गिरा ऋषी।

सूरज डोयल जांगिड़, महासभा सदस्य

मोबाइल-9414494452

कविताएं

'मैं हूं जांगिड़ ब्राह्मण'

आओ सब मिलकर विकास करें
जांगिड़ ब्राह्मण समाज का
मुझे कोई कहे खाती
कोई कहे सुथार
शर्मा, बढ़ई, कारागीर, जांगड़ा
सभी नाम है मेरे
मैं अनुरोध करुंगा सभी से
कृपया नाम के साथ
जांगिड़ जरूर लगाये
यही मूल पहिचान है
महान भारत देश में मेरी
समाज 17 कोटि है मेरा
नामो ने बंटवारा कर दिया
भाषा, पोशाख, रीति, रिवाज
है मेरे बदले बदले से
इसी कारण संगठित हो
नहीं पाया समाज मेरा
समय की पुकार है
संगठित होने पर बल दिया जाऐ
एक नाम है जांगिड मेरा
एक के साथ अनेक रहे
यही प्रामाणिक उद्देश्य है मेरा
इसी मूलमंत्र से समाज का
विकास होना अटल है
पद की राजनीति भी
बड़ी अजब है
संघर्ष चलता है
बड़ी-बड़ी संस्थाओं में
विश्वकर्मा जी प्रेरणा दे
उन महानुभावों को
समाप्त हो वाद विवाद
एकजुट होकर करें
विकास जांगिड़ समाज का
यह सुन ले ज्ञानी लोग
मत झगड़ो पद के लिये
पद तो आते है , जाते हैं
पद से श्रेष्ठ समाज है'
आज भी जांगिड़ समाज है
कल भी जांगिड़ समाज ही रहेगा
आओ सब मिलकर विकास
करें जांगिड़ समाज का
भावी पिढ़ी याद करेगी
तुम्हारे कार्य काल को
स्वर्ण अक्षरों में
लिख देंगी शिला पर
छोड़ो वाद-विवादों को
आओ सब मिलकर विकास करे
जांगिड़ ब्राह्मण समाज का
जुनी कुरीतियां मिटाएं
मृत्यु भोज पर रोक लगाये
रोक लगाये अधिक कपड़ों
की लेन-देन पर
मनुहार रोको अमली पदार्थ की
शिक्षा, कला, व्योपार को
अग्रगामी कार्य पटल पर रखे
आओ सब मिलकर विकास करे
जांगिड़ ब्राह्मण समाज का।
प्रेम से बोलो
सब मिलकर बोलो
जय श्री विश्वकर्मा भगवान की
'जय श्री विश्वकर्मा भगवान की'

दलीचंद जांगिड़
संस्थापक व अध्यक्ष - श्री विश्वकर्मा मंदिर
सातारा (महाराष्ट्र) मो नं.-9421215933

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26799	श्रीमती विद्या जांगिड,श्री गजानन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26800	श्री वेद प्रकश शर्मा,श्री रमेश चन्द शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26801	श्रीमती शान्ति देवी ,श्री शिव दत्त शर्मा,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26802	श्री राहुल जांगिड,श्री शिव दत्त जांगिड़,करौली,राजस्थान	7891622409	स्वयं
RJ	WP/26803	श्री बाल कृष्ण जांगिड,श्री शिव दत्त ,करौली,राजस्थान	7665797917	स्वयं
RJ	WP/26804	श्री श्रवण कुमार शर्मा,श्री शिव दत्त शर्मा,करौली,राजस्थान	7891622409	स्वयं
RJ	WP/26805	श्रीमती मंजू देवी ,श्री बाल कृष्ण,करौली,राजस्थान	7891622409	स्वयं
RJ	WP/26806	श्री नरेश ,श्री शिव दत्त जांगिड़,करौली,राजस्थान	7665797917	स्वयं
RJ	WP/26807	श्री शिव दत्त खाती ,श्री किरोड़ी ,करौली,राजस्थान	7568959823	स्वयं
RJ	WP/26808	श्री बाबू लाल जांगिड,श्री किरोडी ,करौली,राजस्थान	7568959803	स्वयं
RJ	WP/26809	श्रीमती मीनू देवी ,श्री श्रवण कुमार ,करौली,राजस्थान	7891622409	स्वयं
RJ	WP/26810	श्री राजेन्द्र शर्मा,श्री वृजमोहन शर्मा,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26811	श्री गजानन्द जांगिड,श्री रामगुनी ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26812	श्री मुकेश जांगिड,श्री रत्तिराम ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26813	श्री रवि कुमार जांगिड,श्री शिव दयाल ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26814	श्री हरि चरण ,श्री लाल ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26815	श्री राधे श्याम जांगिड,श्री घनश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26816	श्री सीता राम ,श्री घनश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26817	श्री रामगुनी जांगिड,श्री रजी राम ,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26818	श्री अनिल ,श्री रामगुनी जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26819	श्री केशव कुमार जांगिड,श्री राम चरण जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26820	श्रीमती इन्द्रा देवी ,श्री रामगुनी जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26821	श्री शिव दास, श्री लाल ,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारतीय उप प्रधान महासभा दिल्ली
RJ	WP/26822	श्री बबली ,श्री राम निवास जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26823	श्रीमती पूनम,श्री सीता राम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूलचन्द भारतीय उप प्रधान महा सभा दिल्ली
RJ	WP/26824	श्री सुरेन्द्र ,श्री वृज मोहन ,करौली,राजस्थान	-	श्री मूलचन्द भारतीय उप प्रधान महा सभा दिल्ली
RJ	WP/26825	श्री सतीश ,श्री रामचरण ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26826	श्रीमती रामपति जांगिड,श्री राम चरन ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26827	श्रीमती कमला ,श्री सतीश ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26828	श्री दीपक जांगिड,श्री कैलाश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26829	श्री मनीष कुमार ,श्री कैलाश चन्द जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26830	कु. नेहा कुमारी,श्री कैलाश चन्द ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26831	श्रीमती सीमा ,श्री राजेश ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26832	श्री दिलीप कुमार ,श्री किस्तूर चन्द,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26833	श्री रामधन एस,श्री शिव लाल ,करौली,राजस्थान	-	स्वयं
RJ	WP/26834	श्री अशोक जांगिड,श्री गणपत जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारती उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26835	श्रीमती ममता जांगिड,श्री अशोक जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारती उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26836	श्री नाथू लाल कटारिया ,श्री जोहरी लाल कटारिया,करौली,राजस्थान	-	श्री मूल चन्द भारती उप प्रधान दिल्ली
RJ	WP/26837	श्रीमती पूजा जांगिड,श्री रवि जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री मूलचन्द भारती उप प्रधान
RJ	WP/26838	श्री हेम राज ,श्री ओमी ,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान

राज्य	स.स.	नाम व पता	सम्पर्क सूत्र	प्रेरणा
RJ	WP/26839	श्री अंशु कुमार जांगिड,श्री विष्णु कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26840	श्री अनुपम कुमार जांगिड,श्री विष्णु कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26841	श्रीमती मीना ,श्री अशीष निधि,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26842	श्रीमती कौशल्या ,श्री धर्मराज,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26843	श्रीमती पिंकी जांगिड,श्री ओमी,करौली,राजस्थान	9414394806	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26844	श्रीमती आरती जांगिड,श्री ओमी ,करौली,राजस्थान	9414394806	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26845	श्री अतुल कुमार जांगिड,श्री विष्णु कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	9887495274	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26846	कु. प्रियंका जांगिड,श्री कैलाश चन्द्र जांगिड,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26847	श्री रोहित जांगिड,श्री शिव दत्त जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26848	श्रीमती कोमल देवी ,श्री नरेन्द्र,करौली,राजस्थान	9414394806	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26849	श्री जगदीश ,श्री रामझोली,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26850	श्री सतीश चन्द ,श्री राम चरण ,करौली,राजस्थान	-	श्री धर्मराज जांगिड़ प्रदेश मंत्री राजस्थान
RJ	WP/26851	श्री राजेन्द्र जांगिड,श्री गोरधन लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26852	श्रीमती पूरन देवी जांगिड,श्री पप्पू जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26853	श्री राजेश कुमार जांगिड,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26854	श्रीमती कमला देवी जांगिड,श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26855	श्री योगेश जांगिड,श्री राजेश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26856	श्री रामेश्वर प्रसाद जांगिड,श्री चंपोली लाल जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री कुन्ज बिहारी जांगिड़ सदस्य महासभा
RJ	WP/26857	श्रीमती मेमवती ,श्री प्रकाश ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26858	श्रीमती राज कुमारी जांगिड,श्री राजेन्द्र जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26859	श्री राम अवतार जांगिड,श्री राधेश्याम जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26860	श्रीमती रममो देवी ,श्री द्वारिका प्रसाद जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26861	श्री द्वारिका प्रसाद जांगिड,श्री छीतर ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26862	श्रीमती सुमन,श्री राम अवतार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26863	श्री ललित कुमार जांगिड,श्री विष्णु कुमार जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26864	श्री शिव चरण ,श्री पूरन,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26865	श्रीमती सीमा देवी ,श्री बाल कृष्ण ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26866	श्रीमती गायत्री ,श्री हरी चरण ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26867	श्री रेवती प्रसाद ,श्री रामस्वरूप,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26868	श्रीमती बिरमदेइ,श्री रेवती ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26869	श्रीमती पूजा ,श्री जीतू ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26870	श्रीमती सीमा ,श्री विनोद ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26871	श्री विशम्भर ,श्री द्वारिका ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26872	श्री विनोद ,श्री रेवती प्रसाद ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26873	श्री जीतू ,श्री रेपती प्रसाद ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26874	श्री देवेन्द्र जांगिड,श्री प्रकाश जांगिड़,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26875	श्री प्रकाश ,श्री गोरधन ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26876	श्री वाल गोविन्द जांगिड,श्री राम चरण ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26877	श्री गोविन्द सहाय ,श्री रामस्वरूप,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा
RJ	WP/26878	श्री धीरज ,श्री महावीर ,करौली,राजस्थान	-	श्री जगदीश प्रसाद जांगिड़ गोरधनपुरा

वर चाहिए

(F-6/5/17)-Looking a suitable match for fair J.B.girl,D.O.B.23.11.1990 ,Ht-5'3'',MBA(Regular) working with Accenture Service Pvt Ltd(MNC) as a Business Analiyst. Preference well qualifed & Well settled boy (Delhi/NCR)Shasan-Self-Kalonia,M-Tagla,G.M-Savlodhiya,Contact Aman Kumar Sharma(Delhi),M-9911349299, 8800181236, E-Mail:- supervisiongraphic@gmaili.com

(F-1/9/19)-Wanted a suitable match for J.B.girl,D.O.B. 15.11.1995 ,Ht-5'4'' Time - 1:10 PM at Delhi ,MSc(Chemistry Hons) from Delhi University(KMC),Shasan-Self-Khandelwal,M-Gothdiwal,G.M-Dhama, Nani-Hamrithiya Contact- Mangli, — 997133227, 9212254429 E-Mail- inder.sharma@gmail.com

(F-2/9/19)-Wanted a suitable match for J.B.girl,D.O.B. 13.11.1992 ,Ht-5'4'' Time - 2:22 AM at Karnal ,Qualification-MSc(Mathmatic) from Delhi University,B.Ed.,Well settled in Delhi occupation teacher I pvt School Divorced no child. Shasan-Self-Khalwania,M-Maryan,G.M-Gadwaliya,Contact- Rameshwer Dass Mob.-8800670993, 9868320993

वधू चाहिए

((M-01/08/19) आवश्यकता है जां.ब्रा. युवक हेतु एक सुयोग्य कन्या की जन्म तिथि-06.08.1992 समय-शाम 06:15, दिल्ली में, कद- 5'7'', शिक्षा- 12वीं व तीन वर्षीय डिप्लोमा- Medical/ Electronics. वर्तमान में प्राईवेट कम्पनी में कार्यरत है। शासन-स्वयं-बालदिया, मां- दुधानिया, दादी-सहवाल, नानी-राजोतिया, सम्पर्क सूत्र- दीपक- 9479860095 , 8700753734

(M-3/8/19)-Wanted suitable match for Jangid Brahman boy **D.O.B.** 19.08.1993 in Jodhpur(Raj.), Ht.- 5'9", Education- B.Tech, Occupation- Assistant Manager (State Bank of india) Posted currently at Vadodara(Gujrat) Contact Details:- 9461520003

परिणाम खुद की ही भूल का

जब कभी भी हमें कुछ भी भुगतना पड़ता है, वह अपनी ही भूल का परिणाम है। अपनी भूल के बिना हमें भुगतना नहीं होता है। इस जगत में ऐसा कोई भी नहीं है कि जो हमें किंचित्मात्र भी दुःख दे सके और यदि कोई दुःख देनेवाला है, तो वह अपनी ही भूल है। सामनेवाले को दोष नहीं हैं, वह तो निमित है। इसलिए 'भुगते उसी की भूल'।

कोई पति और पत्नी आपस में बहुत झगड़ रहे हों और जब दोनों सो जाएं, फिर आप गुपचुप देखने जाओं तो पत्नी गहरी नींद सो रही होती है और पति बार-बार करवटें बदल रहा होता है, तो आप समझ लेना की पति भूल है सारी, क्योंकि पत्नी नहीं भुगत रही है। जिसकी भूल होती है, वही भुगतता है और यदि पति सो रहा और पत्नी जाग रही हो, तो समझना कि पत्नी की भूल है। 'भुगते उसी की भूल' । पूरा जगत निमित को ही काटने दौड़ता है।

शोक सन्देश/श्रद्धांजलियां

अत्यन्त दुख के साथ सूचित करने में आता है कि श्री गोपाल जी शर्मा की काकीजी एवं महासभा के उपप्रधान श्री शिवकुमार जी शर्मा मंदसौर की पूज्यनीय माताजी तथा चि. अजय शर्मा (महा सचिव भारत विकास परिषद् मंदसौर) की पूज्यनीय दादीजी श्रीमती बनारसी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रघुनाथ जी शर्मा (जांगिड) मूल निवास शाहपुरा जिला जयपुर (राज.) का स्वर्गवास दिनांक 19 अगस्त 2019 को मंदसौर में 81 वर्ष की आयु में हो गया है । आप सरल, सहज, हसमुख, मृदुभाषी, मिलनसार एवं स्नेह की प्रतिमूर्ति थी । वे सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृत्ति की होकर सभी के सुख-दुख में काम आने वाली सम्मानित महिला थी । आप अपने पीछे नाती-पोतो सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है । दिनांक 21 अगस्त 2019 को तीये की बैठक में परिवार, रिश्तेदार, महासभा, प्रदेशसभा एवं जिला सभा के पदाधिकारी तथा गणमान्य जनों ने उपस्थित होकर माताजी को श्रृद्धा सुमन अर्पित किये । इस अवसर पर सांसद, विधायक एवं नगरपालिका अध्यक्ष मंदसौर ने भी अपने श्रृद्धा सुमन प्रेषित किये । इस अवसर पर परिवार जनों ने अन्य संस्थाओं सहित महासभा को 1100/- रू. भेंट किये । महासभा परम पिता परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं अपने श्री चरणों स्थान दें ।

ॐ शांतिः, शांतिः, शांतिः

प्रवीण शर्मा, नीमच
उपप्रधान महासभा

अहंकार नाशवान है

अहंकार जीवन को तहस-नहस कर देता है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि "अहंकार मेरा भोजन है।" अहंकार को मैं खा जाता हूँ, अहंकार दुःख देता है, अहंकार एक रोग है, अहंकार पीड़ा देता है, नर्क है। जबकि सरलता सुख का भण्डार होता है। भौतिक सुख साधन व्यक्ति को घमण्डी बना देता है तथा घमण्ड के नशे में हर किसी को रास्ते की मिट्टी, पत्थर समझने लगता है परन्तु व्यक्ति ये भूल जाता है कि जिन्हें हम मिट्टी, पत्थर मानते है वे हमसे तो महान ही है। मिट्टी जिसे हम बिल्कुल बेकार मानते है उसी से बड़ी-बड़ी इमारतें बनाई जाती है, जिनमें हमें सिर छुपाने की जगह मिलती है तथा आंधी तूफानों से हमारी रक्षा करती हैं। तो फिर वो निकृष्ट कहाँ है? वह तो हमसे भी महान है। हम हर किसी को अस्तित्वहीन अपने घमण्ड के कारण समझने लगते हैं। अभिमान व्यक्ति की प्रगति के सभी दरवाजे बन्द कर देता है।

रावण घमण्डी था वह अपने आप को सर्व शक्तिमान समझता था। उसने राम को निर्बल तपस्वी के रूप में मानकर उनसे युद्ध करने की भूल कर ली। वह अपनी राक्षस जाति सहित समूल नष्ट हो गया। यदि वह अहंकार में मदोन्मत नहीं होता तो उसका यह परिणाम नहीं होता।

दुर्योधन ने भी अक्षौहिणी सेना के बलबूते पर गर्व किया। श्री कृष्ण को कमतर आँका। उसका भी वही विनाश हुआ। ऐसे इतिहास में सैंकड़ों उदाहरण भरे पड़े है। जिस-जिस ने अहंकार किया वह समूल नष्ट हो गया इसलिये मन में यदि कभी भी अहंकार पैदा होता है तो तत्काल रोकना चाहिये

व्यक्ति जीवन में यदि धन का, जायदाद का घमण्ड करता है तो यह तो सब नाशवान है, पद प्रतिष्ठा का घमण्ड करता है तो यह सब कुछ समय लिये ही प्राप्त होते हैं। इसलिये व्यक्ति को यह मानकर की मानव शरीर नाशवान है, अभिमान का दमन करना चाहिए

KRISHNA INTERIORS **Royal Interiors**

- RAMPAL SHARMA, MANAGING DIRECTOR.
- IN THE BUSINESS FOR 30 YEARS
- WE OFFER WIDE RANGE OF INTERIOR SERVICES FOR RETAIL SPACES,,OFFICES AND RESIDENCES.
- TURNKEY PROJECT SPECIALISTS AND PAN INDIA PROJECTS

CONTACT DETAILS...

OFFICE – 13/14 ROYAL CHAMBERS, DODDA BANASWADI, OUTER RING ROAD, NEAR VIJAYA BANK COLONY, BANGALORE-560043.

FACTORY- SURVEY NO 119, KANNUR VILLAGE DODDAGUBBI , POST BIDARAHALLI, BANGALORE-562149

PH-080-25426161,080-25427191
EMAIL ID : ROYALBANGALORE@GMAIL.COM
WEBSITE : WWW.KRISHNAINTERIORSINDIA.COM, WWW.ROYALINTERIORSINDIA.COM
FACEBOOK : WWW.FACEBOOK.COM/ROYALINTERIORSINDIA
INSTAGRAM : WWW.INSTAGRAM.COM/ROYAINTERIORSINDIA

C. L. JANGID
CHARIMAN

L. R. JANGID
MANAGING DIRECTOR

JANGID INTERIOR DÉCOR PVT. LTD.

Regd. Office : A-357E, Near Sangam Lodge, Mangal Bazar Raod, Sangam Vihar, **New Delhi**-110080
Tel.: 011-64508820, Fax : 011-26048401, Mob.: 9811038827,
E-mail : jangidint@yahoo.co.in, lr_jangid@yahoo.com

Branch Office : Plot No.5, Angira, GUT No. 139, Satara Parisar, Aurangabad, **Maharashtra**-431010
: 1533A/31, Rajinder Park, Daultabad Road, Gurugram, **Haryana**.
: C-70, Krishna Township, Opp. Yash Complex, Gotri Road, Vadodara Road, **Gujarat**
: KH.No. 1268, Delhi-Jaipur Mile Stone No. 110, NH-8, Near Sahanjahanpur Flyover, Tehsil- Behror, Dist.-Alwar, **Rajasthan.**
: S. No. 2, Highway City Market, Near Nawada, Post-Aurangabad, **Mathura-**281001
: No.9, SLNS Complex, Sunguvarchatrom, Chennai, **Tamilnadu**
: Ground Floor, 11, Irugulam, Satyavedu Mandal, Rasapalem, Chittoor, **Andhra Pradesh**-517588

KANTI PRASAD JANGID

Sripawan

The Natural Stone Conglomerate

Sripawan Stonetech specialist in all kind of stones like Indian and Imported marble, granite works with two and half decade experience of stone industry with National and International reputed architects and Interior Designers. We have a team of highly motivated craftsman, high technical modern workshop, dedicated to the creation of beauty and elegance in stone. We also deal in giving the complete solutions for marble, granite and sand stone works. Our mission is the highest standards in our industry. Also client satisfactions are our main motto.

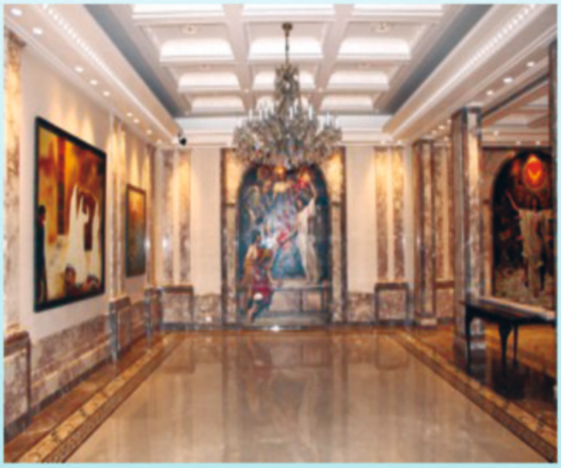

Location : Residence Farm House project in New Delhi

Sripawan Stonetech India(P)Ltd.

(Stone & Marble Projects Company Nationwide)

KPJ Marbosys India (P)Ltd.

(Overseas Marble Trading Company)

Head Office :- W-23, Anupam Garden, IGNOU Road, Sainik Farm, New Delhi-110068 India

Ph. :- +91-11-65650161, 29531567, Mo.9811071694 email: stoneinfo@sripawan.com

CNC Works Unit :-Plot No. 256,257,258 , Road No.-0, Ghitorni Enclave, New Delhi.

Sand Stone Works Unit:-RICCO Industries Area Hindaun City, Dist. Karauli (Raj) India

• Mumbai • Bangalore • Indore • Guwahati

| Mumbai | Bangalore | Indore | Guwahati

Late. Prem Narian Sharma
+91-9313047926

Umesh Kumar Sharma
+91-9351064311

VISHWKARMA LAMINATES (P) LTD.

AN ISO 9001-2000 COMPANY

E-165, MIA, ALWAR (RAJASTHAN) INDIA Mobile : 09610509999

PREM IKA INDIA PVT. LTD.

MANUFACTURES OF : LAMINATE SHEETS.

A-466-A, MIA ALWAR (RAJASTHAN) INDIA

Mob.: 09057430000

AN ISO 9001 : 2000 Company

KVQA

NORSK AKKREDITERING MSYS 007

IS : 2036

CM/L-3102528

E-mail : vishwkarma.laminates@yahoo.com

Website : www.vishwkarmalaminates.com

MANUFACTURES OF :

ALL KINDS OF INDUSTRIAL BAKELITE SHEETS

ELECTRIC PANEL BOARD SHEETS & SWITCH BOARD SHEETS

ALL COLORS OF BOTH SIDE LAMINATE SHEET OF EVERY THICKNESS IN ALL SIZES

VHYLAM® PREMICA® HYLITE®

PREM ELECTRIC CO.

Shop No. 1760/66, Dayal Building Shop No. G-5/2, Bhagirath Palace, Delhi-6

Godown : 1556, 3rd Floor, Bhagirath Palace, Delhi-6, Tel.: 011-23869758, 23874004, 23876945

G.L. Sharma
Director
9986700644, 9326100644

Shree
Damodar Coach Craft Pvt. Ltd.

**Sy No. 21/2A/2, NH-4, Near Dabaspet Flyover, Tumkur Road,
Bengaluru-562 111 • Ph. : 080-27735045-46
Email : glsharma7374@gmail.com, sdccblr@gmail.com**

**Plot No. 97/98, Industrial Estate, Bicholim, Goa-403529
Ph. : 0832-2362149 • E-mail : sdccgoa@gmail.com**

रमेश शर्मा

Brochures
Invitation Card
Pamphlets
Digital Prints
Stickers
Letter Heads
Visiting Cards
Bill Books &
Books

Tel.: 011-28762935 011-28764008

KAMAL PRINTERS

18-428/1 Upper Anand Parbat (near Ramjas School No. 2), New Delhi-110005

MOBILE: 09810576865, 8510007979, 09810622239

E-MAIL: rameshkamal56@gmail.com, ajaysharma4279@gmail.com, kamal.printer@yahoo.co.in

श्री विनोद कुमार जांगिड जी
(हैदराबाद)
-51,000/-

श्री ओमप्रकाश जे. शर्मा जी
(मुम्बई)
-51,000/-

श्री हरलाल बी. जांगिड जी
(मीरा रोड, मुम्बई)
-51,000/-

श्री राजेश जांगिड़ जी एवं
श्री निर्मल जांगिड़ जी
हैदराबाद- 51000/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा,
सागरपुर, दिल्ली
-100,001/-

श्री राधेश्याम शर्मा जी,
शामली (उत्तर प्रदेश)
-50,000/-

श्री मुकेश कुमार जांगिड़,
शामली (उत्तर प्रदेश)
-50,000/-

श्री राहुल जांगिड
पूठखुर्द (दिल्ली)
-51,000/-

श्रद्धांजलि

स्व. चिरंजीलाल शर्मा

श्रद्धांजलि

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री चिरंजीलाल शर्मा सुपुत्र स्व. श्री भगवान सहाय शर्मा मूल निवासी पूतली (कोटपूतली) वाले वर्तमान निवासी RZ 66-A, वेस्ट सागर, नई दिल्ली का आकस्मिक निधन 19 जुलाई 2019 को 64 वर्ष की आयु में हो गया। वह अपने पीछे पत्नी श्रीमती रूक्मणी देवी, दो पुत्र डा. दीपक शर्मा आर्किटैक्ट सुनील शर्मा, दो पौत्र भविक एवं अवियुक्त सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गए है।

इनकी श्रद्धांजलि सभा (रस्म पगड़ी) दिनांक 30.07.2019 को पटेल ब्लाक रघुनगर पंखा रोड़ नई दिल्ली में रखी गई थी। जिसमें प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित हो उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रमुख शाखासभा, ब्राह्मण सभा, आर एस एस से तथा विधायक, आदर्श शास्त्री एवं तथा अनेक उच्च अधिकारी भी उपस्थित होकर इन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर इनके परिवार जनों ने 4000 रूपयें रसीद संख्या 22368/22372 महासभा को दानस्वरूप भेंट किए। उनके भाई श्री ओम प्रकाश जी, सत्यनारायण शर्मा जी, श्री अशोक कुमार शर्मा व श्री सुभाष शर्मा सहित पूरा परिवार मिलनसार व समाज सेवा में अग्रणी रहा है।

महासभा परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करती है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

ॐ शांति:, शांति:, शांति:

डॉ. दीपक शर्मा, सागरपुर,दिल्ली

CHOYAL®
World Class Grinding Solutions
www.choyal.com
squeezing out every drop of power
Introducing
World's 1st Wonder Mill
Digitally Controlled (PLC) CHAKKI
maximum output
maximum quality
maximum consistency
maximum saving
SHRI VISHVAKARMA
(EMERY STONES) INDUSTRIES PVT. LTD.
Regd. Office & Works : Vishvakarma Nagar, P.O. Saradhana – 305206
Distt. Ajmer (Rajasthan). INDIA
Ph. : +91-145-2782228, 2782231 • Fax : 91-145-2782501, 2683999
Ajmer Office : "Shyama", 38 - Adarsh Nagar, Ajmer- 305 001
PRODUCTS
Wondermill (PLC)
Flourmills
Emery Stones
Grain Handling
Grain Processing
Turnkey Projects
Concept Designing
Automation Solution
WE NEVER FORGET HOW MUCH YOU RELY ON
CHOYAL®
Numbers, type of items shown in the picture may differ or may not be the part of standard equipment depending upon the specification, requirement, situation, model no. and need of R&D.
All specifications are approximate and are not binding to details. We reserve to amend and alter them without notice.

SHARMA
Group of companies

FULFILLING DREAMS.

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road Call : 9099978327	Satellite Call : 9099978334
Parimal Garden Call : 9099978328	Naroda Call : 9099938777

MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at: DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2018-20
Posted Under Licence No. U(DN)39/2019-20
of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise.

महिन्द्रा का अधिकृत शोरुम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154155, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें Mob.: 9109154153

शोरुम: सर्वे नं. 379/2, ग्राम-ढाबला, रेवाड़ी, आगर रोड़, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization:

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt.Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office:
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone:0731-2431921,Fax:0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1,
Pithampur Dist. Dhar (M.P) 454775
Phone: 07292-426150 to 70

Website: www.bhagirathbrothers.com

Printed, Published by Sh. Jagdish Prakash Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) All India Jangid Brahman Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed by M/s. Kamal Printers, B 18-428/1 Upper Anand Parbat, New Delhi-110005, Published at Delhi, Editor-Sh. Prabhu Dayal Sharma, 41, Shiva Colony, Tonk Phatak, Jaipur, Raj.

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 September 2019
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110 006